मौसम आज
तापमान
न्यूनतम - 26 डि.से.
अधिकतम - 39 डि.से.

दैनिक
दिव्य संवाद

RNI No. MPHIN/25/A4421

वर्ष 01 अंक: 122 | उज्जैन सोमवार दिनांक 08 जून 2026 ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष अष्टमी संवत् 2083 | पृष्ठ: 8 मूल्य : 02 रूपये

न्यूज गैलरी

अधूरा ज्ञान खतरनाक..., जेपी नड्डा ने मल्लिकार्जुन खरगे के NFHS-6 डेटा आरोपों को किया खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आरोपों पर शनिवार को पलटवार किया और कहा कि अधूरा ज्ञान खतरनाक होता है। खरगे ने गुरुवार को इंटरनेट मीडिया पोस्ट में आरोप लगाया था कि एनएफएचएस-6 के डाटा ने भाजपा सरकार की अक्षमता को उजागर किया है। उन्होंने सरकार पर स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में विफलताओं को उजागर करने वाले महत्वपूर्ण डाटा को जानबूझकर छिपाने का आरोप लगाया था। खरगे की टिप्पणियों का जवाब देते हुए नड्डा ने उन पर राजनीतिक उद्देश्यों के लिए सर्वेक्षण के निष्कर्षों को चुनिंदा रूप से पढ़ने का आरोप लगाया और कहा कि आंकड़े प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत के स्वास्थ्य तंत्र में हुए उल्लेखनीय परिवर्तन को दर्शाते हैं। नड्डा ने एक्स पर पोस्ट किया, खरगे जी का अधूरा ज्ञान खतरनाक है। जन स्वास्थ्य इतना महत्वपूर्ण है कि इसे राजनीतिक बयानबाजी तक सीमित नहीं किया जा सकता। तथ्य मायने रखते हैं। एनएफएचएस-6 सब कुछ बयां करता है। एनएफएचएस-3 (2005-06) के बाद से मातृ स्वास्थ्य देखभाल संकेतकों में सुधार का हवाला देते हुए उन्होंने कहा, पहली तिमाही में प्रसवपूर्व पंजीकरण 43.9 प्रतिशत से बढ़कर 76.2 प्रतिशत हो गया।

असम के डेकापम में ट्रेन से भिड़ी कार, 500 मीटर तक घसीटते हुए गई; 1 महिला की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम के डेकापम में एक दिल दहला देने वाला रेल हादसा सामने आया है, जहां रेलवे ट्रैक पार कर रही एक कार तेज रफ्तार यात्री ट्रेन की चपेट में आ गई। इस भीषण टक्कर में कार सवार एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार चालक ने डेका-शांतिपुर क्रॉसिंग पर रेलवे ट्रैक पार करने की कोशिश की। इसी दौरान वहां से गुजर रही लेडो-मुरकोंगसेलेक डीएमयू एक्सप्रेस ने कार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयानक थी कि कार ट्रेन के इंजन के नीचे फंस गई। ट्रेन चालक के ब्रेक लगाने तक कार पटरियों पर करीब 500 मीटर तक घिसटती चली गई।घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोग और रेलवे सुरक्षा बल के जवान मौके पर पहुंचे। कार के परखच्चे उड़ चुके थे। स्थानीय लोगों की मदद से कार में फंसे घायलों को बाहर निकाला गया। हादसे में घायल व्यक्ति को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। रेलवे और स्थानीय पुलिस प्रशासन ने घटना स्थल का मुआयना कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधिकारी इस बात की जांच कर रहे हैं कि यह दुर्घटना कार चालक की लापरवाही के कारण हुई या क्रॉसिंग पर दृश्यता की कमी की वजह से। इस घातक दुर्घटना के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए मामले की गहन जांच जारी है।

सहकारिता समाज के सामूहिक उत्थान का बड़ा माध्यम : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

सहकारिता में मजबूती लाकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को देंगे नई गति

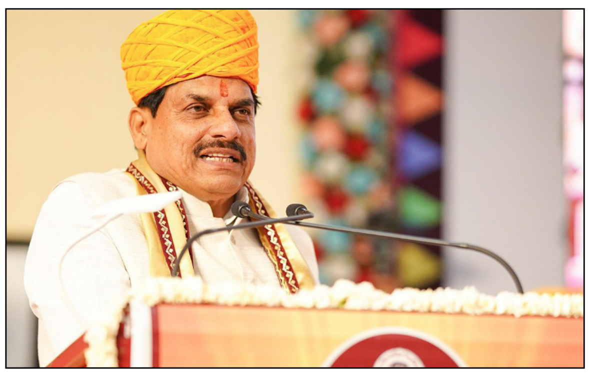

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सहकारिता क्षेत्र प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। हमारी सरकार इसे और अधिक सशक्त बनाकर किसानों, ग्रामीणों तथा छोटे उद्यमियों को आत्मनिर्भर बनायेगी। उन्होंने कहा कि सहकारिता एक व्यवस्था ही नहीं, यह समाज के सामूहिक उत्थान का प्राचीन और बड़ा माध्यम है। हम इसे आधुनिक तकनीक, पारदर्शिता और जनभागीदारी के साथ जोड़कर नई ऊंचाइयों तक ले जायेंगे। उन्होंने कहा कि हम सहकारी मॉडल का समयबद्ध, पारदर्शी और परिणामोन्मुखी क्रियान्वयन सुनिश्चित कर रहे हैं, जिससे आमजन को इसका वास्तविक और अधिकतम लाभ मिल सके।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में सहकारी संस्थाओं की कार्यप्रणाली को सरल और प्रभावी बनाया जाएगा, जिससे किसानों को ऋण, बीज, उर्वरक और विपणन जैसी सुविधाएं सहजता से उपलब्ध हो सकें। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार सहकारिता क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत है। नई योजनाओं के जरिए युवाओं और किसानों को जोड़कर सहकारिता को जनआंदोलन का रूप दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश की सहकारी संस्थाओं की दैनंदिन कार्यप्रणाली को डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़कर इन्हें अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाया जा रहा है। सहकारी समितियों की वित्तीय स्थिति सुदृढ़ करने के साथ ही इनकी जवाबदेही भी सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सहकारी संस्थाओं का विस्तार किया जा रहा है। विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से नवाचार, पारदर्शिता और जनहित को प्राथमिकता दी जा रही है। हमारी सरकार सहकारिता क्षेत्र को नई दिशा देने के लिए प्रतिबद्ध है। सहकारिता विभाग के सहयोग से हम किसान कल्याण एवं कृषि विकास, जनजातीय अंचलों के विकास सहित ग्रामीण विकास विभाग की योजनाओं को भी गति दे रहे हैं।

सहकारिता की बेहतरी के लिए केंद्र सरकार से लगातार कर रहे समन्वय- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि सहकारिता को नई दिशा देने के लिए हमारी सरकार केंद्र सरकार से लगातार समन्वय कर रही है। हमने प्रदेश के 4 हज़ार 536 से अधिक पैक्स का सफलतापूर्वक कंप्यूटराइजेशन पूरा करा लिया है। इन सभी पैक्स की जानकारी केन्द्र सरकार की अपेक्षानुसार एनसीडी पोर्टल पर अद्यतन भी कर दी गई है। दूध (श्वेत) क्रांति 2.0 को प्रभावी एवं सफल बनाने तथा वित्तीय समावेशन के लिए दुग्ध समितियों एवं सदस्यों के खाते जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों में खोले गये हैं। अन्य संस्थाओं को भी सहकारी बैंकों में लेन-देन करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड (बीसीएसएसएल) तथा मप्र राज्य सहकारी बीज संघ के मध्य एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) हुआ है। इससे करीब 17 करोड़ रुपए का व्यवसाय हुआ और 844 पैक्स द्वारा सदस्यता प्राप्त कर ली गई है। राष्ट्रीय सहकारी ऑर्गेनिक लिमिटेड (एनसीओएल) तथा मप्र राज्य सहकारी विपणन संघ के मध्य भी समझौता ज्ञापन (एमओयू) हुआ है। करीब 1335 पैक्स द्वारा इसकी सदस्यता ले ली गयी है। इसके अलावा राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड (एनसीईएल) और मप्र राज्य सहकारी संघ के साथ भी एक पृथक समझौता ज्ञापन (एमओयू) हो गया है। इसमें अबतक 1612 पैक्स द्वारा सदस्यता ले ली गयी है।

मणिपुर पुलिस का बड़ा एक्शन, कई उग्रवादी गिरफ्तार; WY टैबलेट समेत प्रतिबंधित सामान जब्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। मणिपुर पुलिस ने एक ऑपरेशन में सक्रिय उग्रवादियों को गिरफ्तार किया और कई प्रतिबंधित सामान जब्त किया है।

4 जून को, पुलिस ने टेंग्नौपाल जिले के मोरेह पुलिस स्टेशन के तहत बीपी 81 इलाके से वैली-बेस्ड इंसर्जेंट ग्रुप्स के दो सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया । उनकी पहचान निंगथौजम थौरंगबा उर्फ डिंगकू उर्फ गोरो, मोमोचा सिंह उर्फ पाइखोम्बा के तौर पर हुई।

पुलिस ने कई उग्रवादियों को किया गिरफ्तार- अगले दिन, 5 जून को सुरक्षा बलों ने काकचिंग जिले के हियांगलाम पुलिस स्टेशन के तहत वाबागाई थिंगेल लीकाई के रहने वाले हुइड्रोम बॉयबॉय सिंह को गिरफ्तार किया, जो पीपल्स लिबरेशन आर्मी का एक्टिव मेंबर था। बताया जा रहा है कि वह हथियारों की तस्करी और उग्रवादी प्रोपेगैंडा फैलाने में शामिल था, जिनमें अलग-अलग इलाकों में बैनर, झंडे और पोस्टर लागाना शामिल था।

उसी दिन एक अलग ऑपरेशन में, इंफाल वेस्ट जिले के इंफाल पुलिस स्टेशन के तहत लामसांग माखा लीकाई के रहने वाले थांगजाम दिया सिंह उर्फ मनीमातुम को भी गिरफ्तार किया गया, जो च्रष्टक्क का सदस्य था। अधिकारियों ने उसके पास से कई आपत्तिजनक सामान जब्त किए।

एनटीए ने छात्रों को सतर्क किया, पेपर लीक की अफवाहों को नकारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट-यूजी की 21 जून को दोबारा होने वाली परीक्षा के प्रश्न पत्रों के लीक होने और उसे बेचे जाने को लेकर इंटरनेट मीडिया पर किए जा रहे दावों को नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने खारिज किया है।

साथ ही छात्रों और अभिभावकों को सलाह दी है कि वे किसी तरह झूठे और फर्जी झांसे में न आएं। इसके लिए वे किसी तरह का भुगतान भी न करें और न ही इसे आगे बढ़ाए। इसके साथ ही एनटीए ने साफ किया है कि परीक्षा प्रक्रिया पूरी तरह से सुरक्षित है।

गर्लफ्रेंड को देना था आईफोन का तोहफा, बन गए चोर; चुरा ले गए 65 लाख के लग्जरी नल

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रेम में पागल दो नाबालिग लड़कों ने अपनी गर्लफ्रेंड को आईफोन खरीदने के लिए 65 लाख रुपये के महंगे डिजाइनर नल चुरा लिए। यह चोरी 27 और 28 मई की दरमियानी रात को हुई।

पुलिस ने मामले की गंभीरता से जांच की और दो नाबालिगों समेत एक मुख्य आरोपी को हिरासत में ले लिया। कड़ी पूछताछ के बाद दोनों लड़कों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। उन्होंने बताया कि उन्होंने चोरी किए गए नलों को मात्र 20,000 रुपये में बेच दिया था।

पुलिस की कार्रवाई- पुलिस ने चोरी का माल खरीदने वाले 38 वर्षीय इरफान अली उर्फ इम्मु रमजान अली को मुख्य आरोपी बनाते हुए गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, इरफान नलों का खरीदार था और सस्ते दामों में माल खरीदकर आगे बेचने का काम करता था।

अधिकारियों ने बताया कि चुराए गए नल अत्यधिक महंगे डिजाइनर पीस थे, जो किसी बड़े निर्माण स्थल या लग्जरी प्रोजेक्ट से चुराए गए। नाबालिगों ने इन नलों को चुराने की प्लानिंग पहले से की थी।

अमेरिका- ईरान विवाद में पाकिस्तान कोई मध्यस्थ नहीं, वह सिर्फ कूरियर सर्विस है : पूर्व सेना प्रमुख नरवणे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना के पूर्व प्रमुख जनरल (सेवानिवृत्त) एमएम नरवणे ने अमेरिका-ईरान तनाव के बीच पाकिस्तान की भूमिका पर तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि पाकिस्तान किसी भी तरह से मध्यस्थ नहीं है, बल्कि वह केवल एक कूरियर सर्विस की तरह काम कर रहा है।

शनिवार को कोलकाता में एक कार्यक्रम से इतर पत्रकारों से बातचीत के दौरान नरवणे ने कहा कि किसी के नजरअंदाज होने या न होने का सवाल ही नहीं उठता। पाकिस्तान शायद ही कोई मध्यस्थ है, वह तो केवल संदेश पहुंचाने वाली कूरियर सेवा की भूमिका निभा रहा है।

हाल के महीनों में पाकिस्तान अमेरिका और ईरान के बीच संवाद स्थापित कराने की कोशिशों को अपनी कूटनीतिक उपलब्धि के रूप में पेश कर रहा है। इसी संदर्भ में नरवणे की यह टिप्पणी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। अमेरिका-ईरान संघर्ष के वैश्विक व्यापार और सुरक्षा पर प्रभाव को लेकर उन्होंने कहा कि राष्टीय सुरक्षा और आर्थिक सुरक्षा एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी हुई हैं। उन्होंने कहा कि भारत का लक्ष्य आत्मनिर्भरता को मजबूत करना है, ताकि वैश्विक संकटों और आपूर्ति श्रृंखला में आने वाली बाधाओं का प्रभाव कम किया जा सके।

ऑपरेशन सनडाउन- इंदिरा गांधी ने ऐन वक्त पर क्यों रोका मिशन? सफल होता तो शायद न होता ब्लू स्टार

नई दिल्ली (एजेंसी)। साल 1984ज्पंजाब का माहौल बेहद तनावपूर्ण था। अमृतसर के हरमंदिर साहिब परिसर में हथियारबंद लोगों की मौजूदगी की खबरें लगातार आ रही थीं। केंद्र सरकार चिंतित थी, खुफिया एजेंसियां अलर्ट पर थीं और पूरे देश में एक नाम सबसे ज्यादा चर्चा में था जरनैल सिंह भिंडरांवाले बहुत कम लोग जानते हैं कि ऑपरेशन ब्लू स्टार से पहले सरकार ने एक और बेहद गुप्त मिशन की तैयारी की थी।

फ्लैशबैक में आज कहानी ऑपरेशन सनडाउन की एक ऐसा सीक्रेट ऑपरेशन, जिसे शुरू होने से ठीक पहले तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने रद कर दिया था। कहा जाता है कि अगर उस वक्त इस मिशन को मंजूरी मिल जाती, तो शायद भारत का इतिहास कुछ और होता। जरनैल सिंह भिंडरांवाले का जन्म 1947 में पंजाब के मोगा जिले के रोडे गांव में हुआ था। वह दमदमी टकसाल नाम के सिख धार्मिक संगठन से जुड़ा था और शुरुआत में उसकी पहचान एक धार्मिक प्रचारक के तौर पर बनी। लेकिन धीरे-धीरे उसकी भाषा आक्रामक और विवादित होती गई। 1970 के दशक के आखिर तक वह सिर्फ धार्मिक चेहरा नहीं रहा, बल्कि पंजाब की राजनीति और कट्टरपंथी आंदोलन का बड़ा नाम बन गया।

उस समय पंजाब में चंडीगढ़ पर अधिकार, नदी के पानी का बंटवारा, आनंदपुर साहिब प्रस्ताव और सिखों के अधिकार जैसे मुद्दों को लेकर तनाव बढ़ रहा था।

अकाली दल इन मांगों को राजनीतिक तरीके से उठा रहा था, लेकिन इसी दौर में कट्टरता और हिंसा भी बढ़ने लगी।

1981 में पत्रकार और पंजाब केसरी समूह के मालिक लाला जगत नारायण की हत्या के बाद पंजाब में हालात तेजी से बिगड़ गए। सरकार और सुरक्षा एजेंसियों का मानना था कि भिंडरांवाले के समर्थकों का नाम कई हिंसक घटनाओं में सामने आ रहा था। इसी वजह से उसकी छवि एक उग्रवादी नेता के तौर पर मजबूत होने लगी।

1982 और 1983 तक हालात और गंभीर हो गए। भिंडरांवाले अमृतसर के अकाल तख्त में रहने लगा, जहां उसके साथ हथियारबंद समर्थक भी मौजूद थे। सरकारी एजेंसियों की रिपोर्ट में दावा किया गया कि परिसर के अंदर हथियार जमा किए जा रहे हैं और मजबूत मोर्चेबंदी बनाई जा रही है।

चरक अस्पताल में ब्लड की कमी बढ़ी, प्रसूताओं की जरूरतें पूरी करना बना चुनौती

डिलीवरी के लिए भर्ती गर्भवतियों को जरूरत पड़ने पर नहीं मिल पा रहा पर्याप्त रक्त , रक्तदाताओं की घटती संख्या बनी बड़ी वजह- स्थिति सुधारने जिला अस्पताल प्रबंधन बड़े पैमाने पर रक्तदान शिविर आयोजित करने की तैयारी में

दैनिक दिव्य संवाद उज्जैन। जिला शासकीय मातृ एवं शिशु चरक अस्पताल में प्रसव के लिए भर्ती होने वाली गर्भवती महिलाओं के उपचार के दौरान आवश्यक रक्त उपलब्ध कराने में परेशानी सामने आने लगी है। अस्पताल के ब्लड बैंक में कई बार जरूरत के अनुरूप विभिन्न ग्रुप के रक्त की उपलब्धता नहीं होने से मरीजों और उनके परिजनों की चिंता बढ़ रही है। अस्पताल सूत्रों के अनुसार प्रसव के दौरान कई मामलों में अचानक रक्त की आवश्यकता पड़ती है। विशेष रूप से जटिल डिलीवरी और ऑपरेशन के मामलों में तत्काल ब्लड की जरूरत होती है।

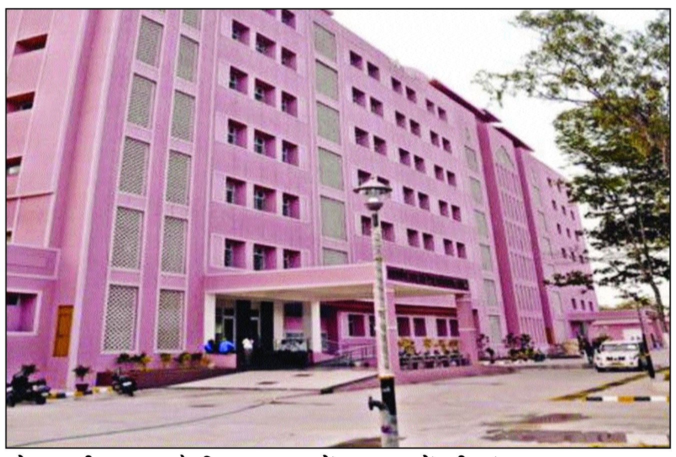

ऐसे समय में ब्लड बैंक में पर्याप्त स्टॉक नहीं होने से परिजनों को रक्त की व्यवस्था के लिए इधर-उधर भटकना पड़ता है।

जानकारों का कहना है कि जिला अस्पताल की पैथोलॉजी लैब और ब्लड बैंक में पहले की तुलना में रक्तदाताओं की संख्या लगातार घट रही है। नियमित रक्तदान करने वाले लोगों की संख्या कम होने से ब्लड बैंक का स्टॉक प्रभावित हो रहा है।

इसका असर सबसे अधिक उन मरीजों पर पड़ रहा है जिन्हें आपात स्थिति में रक्त की आवश्यकता होती है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जिला अस्पताल प्रबंधन ने रक्त संग्रह बढ़ाने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके तहत शहर और आसपास के क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर रक्तदान शिविर आयोजित करने की योजना बनाई जा रही है। सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं और युवाओं को भी इस अभियान से जोड़ने की पहल की जा रही है। अस्पताल प्रबंधन का मानना है कि यदि नियमित अंतराल पर रक्तदान शिविर आयोजित होते रहे तो ब्लड बैंक में पर्याप्त स्टॉक बनाए रखा जा सकेगा और जरूरतमंद मरीजों, विशेषकर गर्भवती महिलाओं को समय पर रक्त उपलब्ध कराया जा सकेगा।

रक्तदान से ही बनेगी व्यवस्था मजबूत...

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार एक यूनिट रक्त कई मरीजों के जीवन को बचाने में मददगार साबित हो सकता है। ऐसे में अधिक से अधिक लोगों को स्वैच्छिक रक्तदान के लिए आगे आने की आवश्यकता है, ताकि अस्पतालों में रक्त की कमी जैसी स्थिति उत्पन्न न हो।

त्योहारों तक सीमित रह गई खाद्य विभाग की कार्रवाई

महाकाल क्षेत्र सहित शहर के कई इलाकों में खुले में बिक रहे खाद्य पदार्थ, सालभर निगरानी और सैंपलिंग की उठी मांग

दैनिक दिव्य संवाद उज्जैन। विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के अवसर पर शहर में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और सुरक्षा को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। आम लोगों का कहना है कि खाद्य सुरक्षा विभाग की सक्रियता मुख्य रूप से दीपावली और अन्य प्रमुख त्योहारों के दौरान ही नजर आती है, जबकि पूरे साल शहर में मिलावटी और गुणवत्ताहीन खाद्य सामग्री खुलेआम बिकती रहती है।

शहर के प्रमुख धार्मिक क्षेत्र महाकाल मंदिर के आसपास रोजाना हजारों श्रद्धालु पहुंचते हैं। यहां कई स्थानों पर खाद्य सुरक्षा मानकों की अनदेखी करते हुए खुले में खाद्य पदार्थों की बिक्री की जा रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई होटल, रेस्टोरेंट और खाद्य प्रतिष्ठान कम लागत के लिए निम्न गुणवत्ता की सामग्री का उपयोग कर रहे हैं, लेकिन नियमित जांच नहीं होने से ऐसे मामलों पर अंकुश नहीं लग पा रहा है।

खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा समय-समय पर सैंपलिंग और जांच की कार्रवाई की जाती है, लेकिन यह गतिविधियां अधिकतर त्योहारों तक सीमित दिखाई देती हैं।

वर्षभर नियमित निरीक्षण और साप्ताहिक अभियान नहीं होने से मिलावटी खाद्य पदार्थों का कारोबार जारी रहता है। कभी-कभी जिला प्रशासन या कलेक्टर के निर्देश पर विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई की जाती है तथा शिकायत मिलने पर भी जांच होती है, लेकिन नागरिकों का मानना है कि खाद्य सुरक्षा को लेकर निरंतर निगरानी आवश्यक है। उनका कहना है कि विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस केवल जागरूकता तक सीमित न रहे, बल्कि शहर में खाद्य गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए नियमित और प्रभावी कार्रवाई भी होनी चाहिए। विशेषज्ञों का मानना है कि खाद्य पदार्थों की नियमित जांच, सैंपलिंग और मानकों का पालन सुनिश्चित करने से ही उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य की सुरक्षा संभव है। शहरवासियों ने मांग की है कि महाकाल क्षेत्र सहित सभी प्रमुख बाजारों और खाद्य प्रतिष्ठानों पर नियमित निरीक्षण कर खाद्य सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन कराया जाए।

मंगलनाथ मंदिर उज्जैन पर आचार्यगणों द्वारा संपूर्ण विधान के साथ निर्धारित समयावधि तक पूजन संपन्न करावाई गई

मंगलनाथ मंदिर प्रबंध समिति के कुशल मार्गदर्शन में 3,63,000 /- की आय मंदिर समिति को प्राप्त हुई

दैनिक दिव्य संवाद उज्जैन। महामंगलेश्वराय नमः धरणीगर्भसम्भूतम विद्युत्कान्तिसमप्रभम शिप्रा तट स्थित मंगलग्रह की उत्पत्ति स्थान भगवान श्री मंगलनाथ जी के मंदिर उज्जैन पर प्रदेश ही नहीं, अपितु देश-विदेश से नित्य की प्रातः काल की आरती पश्चात 7~00 बजे से निर्धारित समय-सीमा दोपहर पश्चात 3~30 बजे तक सतत रूप से भात पूजन एवं अन्य पूजन कराने हेतु आने वाले यजमानों का सतत रूप से आगमन होता रहा। इतना ही नहीं अपितु, मई माह 2026 के प्रथम मंगलवार को प्रातः काल 07.00 बजे की आरती के बाद से ही विश्व प्रसिद्ध भगवान श्री मंगलनाथ जी के मंदिर पर आने वाले श्रद्धालुओं/दर्शनार्थियों के अतिरिक्त भात पूजन के साथ ही साथ जैसे- भूमि प्राप्ति, धन प्राप्ति, शीघ्र विवाह, यश प्राप्ति,मंगल दोष निवारण तथा समस्त रोगों के निवारणार्थ यजमानों का आना बना रहा।

मंदिर पर आये हुए भातपूजन के यजमानों की लाइन मंदिर मंदिर के सभी कर्मचारियों के सहयोग से पूर्ण व्यवस्था के साथ कतारबद्ध होकर लाईन चलती रही। इन यजमानों की पूजन मंदिर के विद्वावान पंडितगणों/ आचार्यगणों द्वारा संपूर्ण विधान के साथ निर्धारित समयावधि तक पूजन संपन्न करावाई गई।

इस संबंध में यह उल्लेखनीय है कि इन पूजनों की कंप्यूटरीकृत/मैन्युअल शासकीय 1750 रसीदें मंगलनाथ मंदिर प्रबंध समिति के कर्मचारियों द्वारा बनाई गई। प्रशासक द्वारा यह बताया गया कि कलेक्टर महोदय का सक्षम नेतृत्व तथा अविअ/अध्यक्ष एवं तहसीलदार/सचिव श्री मंगलनाथ मंदिर प्रबंध समिति के कुशल मार्गदर्शन में इन रसीदों से मंदिर समिति को दिनांक 02.06.26 मई माह के प्रथम मंगलवार को कंप्यूटरीकृत/मेन्यूअल शासकीय रसीदें काटी गई। इन रसीदों से राशि रुपए 3,63,000 /- (रूपये तीन लाख त्रेसठ हजार मात्र) की आय मंदिर समिति को प्राप्त हुई।

उपरोक्तानुसार जानकारी देते हुए द्वारा यह भी बताया गया कि मंदिर पर दर्शन हेतु आने वाले दिव्यांग/असहाय श्रद्धालुगणों हेतु श्री माहेश्वरी मेवाड़ा पंचायत महिला मंडल उज्जैन द्वारा पुरषोत्तम मास के अंतर्गत संस्था की अध्यक्ष संध्या हेड़ा तथा सचिव वंदना जैथलिया, मनोरमा दिनेश माहेश्वरी एवं माहेश्वरी समाज की अन्य सदस्य महिलाओं की उपस्थिति में मंदिर पर दर्शन हेतु आने वाले दिव्यांग एवं असहाय श्रद्धालुगणों के लिए दो व्हील चेयर मंदिर समिति को भेंट की गई। तत्पश्चात मंगलनाथ मंदिर प्रबंध समिति के प्रशासक के के पाठक द्वारा मंदिर के आचार्यगणों के माध्यम से सभी 20-25 महिला मंडल की सदस्यों को मोती की माला से सम्मान किया जाकर मंदिर के कर्मचारियों द्वारा पूरी निष्ठा के साथ मंगलनाथ मंदिर के पुजारी श्री गणेश भारती के ज्येष्ठ पुत्र श्री जितेन्द्र भारती के सहयोग से मंगलनाथ भगवान के सुलभ एवं शीघ्र दर्श गर्भगृह से करवाए गये।

उज्जैन स्मार्ट सिटी द्वारा उज्जैन में गूंजा 'फिट इंडिया' का संदेश

दैनिक दिव्य संवाद उज्जैन। स्मार्ट सिटी द्वारा उज्जैन में गूंजा 'फिट इंडिया' का संदेश, साइकिल रैली में उमड़ा युवाओं का उत्साह फिट इंडिया मूवमेंट के अंतर्गत उज्जैन स्मार्ट सिटी द्वारा विशाल साइकिल रैली का आयोजन उज्जैन स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा यूथ हॉस्टल्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (YHAI), जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग, क्रीड़ा भारती मालवा प्रांत तथा सोसायटी ऑफ ग्लोबल साइकिल के सहयोग से फिट इंडिया मूवमेंट के अंतर्गत एक विशाल साइकिल रैली का आयोजन किया गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के निर्देशन में आयोजित इस साइकिल रैली में लगभग 300 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, ईंधन बचत, स्वास्थ्य जागरूकता तथा स्वच्छ उज्जैन का संदेश आमजन तक पहुंचाया गया। दिनांक 07/06/2026 को subah 07:00 बजे रैली को श्री संदीप शिवा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, उज्जैन स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा हरी झंडी दिखाकर सिंहस्थ मेला कार्यालय से रवाना किया गया।

रैली का मार्ग पॉलीटेक्निक कॉलेज, अपना स्वीट, तीन बत्ती चौराहा, टॉवर चौक, शहीद पार्क, संजीवनी हॉस्पिटल एवं कालिदास अकादमी होते हुए पुनः सिंहस्थ मेला कार्यालय तक निर्धारित किया गया। रैली के समापन अवसर पर सभी प्रतिभागियों को स्वल्पाहार वितरित किया गया तथा स्वस्थ, स्वच्छ एवं पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक संगठनों, खेल प्रेमियों, युवाओं एवं नागरिकों की सक्रिय सहभागिता रही, जिससे कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

उज्जैन में शुरू होंगे चलित मिल्क एटीएम, घर-घर पहुंचेगा ताजा दूध

दैनिक दिव्य संवाद उज्जैन। शहरवासियों को जल्द ही चलित मिल्क एटीएम की सुविधा मिल सकती है।उज्जैन में शहरी क्षेत्रों के लिए मिल्क एटीएम शुरू किए जाएंगे। विशेष वाहनों के माध्यम से लोगों तक ताजा दूध पहुंचाया जाएगा। इसके लिए सप्लाई चेन तैयार की जाएगी। कल आयोजित हुई संभागीय समीक्षा बैठक में बताया गया कि यह पहल उज्जैन सहकारी दुग्ध संघ और स्थानीय स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से लागू की जाएगी।

शनिवार को कृषि उत्पादन आयुक्त अशोक वर्णवाल की अध्यक्षता में हुई बैठक में पशुपालन एवं मत्स्य पालन विभाग की योजनाओं की समीक्षा की गई। बैठक में प्रमुख सचिव उमाकांत उमराव ने कहा कि प्रदेश में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए पशुओं की नस्ल सुधार, कृत्रिम गर्भाधान और संतुलित आहार पर विशेष ध्यान देना होगा। पशुपालकों को पशुओं के पोषण संबंधी जानकारी देने के लिए शासन के गोरस ऐप का अधिक उपयोग कराने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में बताया गया कि उज्जैन जिले को इस वर्ष सेक्स सॉर्टेड सीमेन के माध्यम से एक लाख कृत्रिम गर्भाधान का लक्ष्य मिला है। वहीं मत्स्य पालन क्षेत्र में युवाओं को जोड़ने, बड़े जलाशयों में मत्स्य उत्पादन बढ़ाने और मुख्यमंत्री मछुआ कल्याण योजना के तहत संचालित स्मार्ट फिश पार्लर को प्रभावी ढंग से चलाने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों से कहा गया कि विभागीय योजनाओं की जानकारी अधिक से अधिक हितग्राहियों तक पहुंचाई जाए तथा सफल कार्यों का प्रचार सोशल मीडिया के माध्यम से किया जाए।

चरक अस्पताल में इमरजेंसी वार्ड के सामने बनेगी नई पुलिस चौकी

मरीजों और परिजनों से जुड़े मामलों में पुलिस की त्वरित कार्रवाई होगी संभव

दैनिक दिव्य संवाद उज्जैन। शासकीय मातृ शिशु चरक अस्पताल में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने की दिशा में नई पुलिस चौकी का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड के सामने पुलिस चौकी के कक्ष का ढांचा तैयार करने का प्रारंभिक कार्य चल रहा है। अब तक पुलिस चौकी अस्पताल परिसर के बाहरी हिस्से में संचालित हो रही थी, जिससे किसी घटना या विवाद की स्थिति में पुलिस को मौके तक पहुंचने में समय लगता था।

नई चौकी के इमरजेंसी वार्ड के सामने स्थापित होने से अस्पताल परिसर में होने वाली किसी भी आपात स्थिति, विवाद, दुर्घटना या कानून-व्यवस्था से जुड़े मामलों में पुलिस तत्काल मौके पर पहुंच सकेगी।

अस्पताल में प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीज और उनके परिजन आते हैं। ऐसे में सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए पुलिस चौकी को अस्पताल के मुख्य गतिविधि क्षेत्र के नजदीक स्थापित करने का निर्णय लिया गया है।

इससे मरीजों, परिजनों तथा अस्पताल स्टाफ को भी सुरक्षा का बेहतर माहौल मिलेगा।अस्पताल प्रबंधन और पुलिस विभाग का मानना है कि नई चौकी के शुरू होने के बाद अस्पताल परिसर में होने वाली घटनाओं पर प्रभावी निगरानी रखी जा सकेगी तथा शिकायतों का त्वरित निराकरण भी संभव होगा। वर्तमान में निर्माण कार्य प्रारंभिक चरण में है और जल्द ही चौकी का भवन तैयार होने की उम्मीद है।

48 घंटे में 3 डिग्री उछला दिन का पारा, रात में भी 5 डिग्री बढ़ा

दो दिन पूर्व हुई बारिश के बाद तापमान में आई थी गिरावट- बैचेन करने वाली गर्मी और उमस ने बढ़ा दिया तापमान

दैनिक दिव्य संवाद उज्जैन। शहर के तापमान में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। दो दिन पहले हुई बारिश के बाद दिन और रात के तापमान में जहां गिरावट आई, वहीं कल तेज धूप निकली। इसके बाद पारा और चढ़ गया। मौसम विभाग के अनुसार आज शाम को बारिश की संभावना है। वेधशाला स्थित मौसम केंद्र के मुताबिक कल दिन का अधिकतम तापमान 38 डिग्री रहा, जो परसों की अपेक्षा 3 डिग्री अधिक था, वहीं रात से सुबह के बीच न्यूनतम तापमान परसों 21 डिग्री था, वह 24.8 डिग्री पर पहुंच गया। आज यह और बढ़कर 26 डिग्री पर आ गया जो 48 घंटे में 5 डिग्री बढ़ गया। यानी 48 घंटों में ही तापमान में 5 डिग्री से ज्यादा की बढ़त दर्ज की गई। इस दौरान हवाओं की दिशा पश्चिमी और दक्षिण-पश्चिमी रही। हवाओं की अधिकतम रफ्तार 8 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंची।

परसों सुबह से लेकर आज सुबह 8.30 बजे तक वेधशाला में बारिश दर्ज नहीं की गई। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार आज शाम बारिश की संभावना है। वहीं कल से अगले कुछ दिन मौसम खुल सकता है। इससे तापमान में तेजी भी देखने को मिलेगी।

फर्जी वसीयत से बेची करोड़ों की सरकारी जमीन, जिला पंजीयक ने निगम आयुक्त को लिखा रजिस्ट्री शून्य करने का पत्र

उज्जैन। बड़नगर रोड स्थित वीर दुर्गादास मार्ग पर फर्जी वसीयत और जाली दस्तावेजों के आधार पर करोड़ों रुपये की सरकारी जमीन बेचने का बड़ा मामला सामने आया है। इस मामले में जिला पंजीयक कार्यालय और आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) ने नगर निगम आयुक्त को पत्र लिखकर दोषियों पर सख्त कार्रवाई और जमीनों की रजिस्ट्रियां शून्य करने की अनुशंसा की है। है कि इस पूरे फर्जीवाड़े में नगर निगम के झोन क्रमांक 1 के अधिकारियों की भी मिलीभगत रही है।

मप्र युवा शिव सेना गौ रक्षा न्यास के संस्थापक व राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष सिंह चौहान (हरीश सिंह) पिछले छह वर्षों से इस मामले की लगातार शिकायत कर रहे थे। चौहान के अनुसार बोहरा परिवार के बुरहानुद्दीन, असगर अली और हकीमुद्दीन (पिता हैदर अली) ने साल 2015 में एक जाली वसीयत तैयार कर वार्ड 13, झोन 1 के तहत आने वाली सरकारी जमीन (सर्वे क्रमांक 716/1) बेच दी। यह सरकारी जमीन योगेश गोविंदानी (पिता ज्ञानचंद), कविता पति योगेश, इंसिया पति अली असगर, विशाल कृष्णानी, कमलेश प्रजापति, भारत गोविंदानी, मनोज गोविंदानी, सलीम खान और जावेद खान को फर्जी दस्तावेजों के आधार पर बेची गई।

दस्तावेजों की चेन निकली फर्जी, ईओडब्ल्यू ने सौंपा पत्र

शिकायत के आधार पर ईओडब्ल्यू मुख्यालय भोपाल ने शिकायत क्रमांक 38/22 दर्ज कर मामले की जांच की। जांच में पाया गया कि सर्वे क्रमांक 716/1 की 10.236 हेक्टेयर शासकीय भूमि (जिसमें 0.418 हेक्टेयर कब्रिस्तान शामिल है) को षड्यंत्र रचकर बेचा गया और शासन को आर्थिक हानि पहुंचाई गई। ईओडब्ल्यू ने जांच के बाद शिकायत को सही पाते हुए आवश्यक कार्रवाई के लिए नगर निगम आयुक्त को पत्र भेजा है। वहीं, उप पंजीयक उज्जैन की रिपोर्ट में भी दस्तावेजों की चेन फर्जी पाई गई है। ईओडब्ल्यू द्वारा मांगे गए रिकॉर्ड में 11 नवंबर 1966 और 5 अप्रैल 1970 के दस्तावेजों का कार्यालय में पंजीबद्ध होना ही नहीं पाया गया।

रजिस्ट्री शून्य करने की प्रक्रिया शुरू

मामले की गंभीरता और दस्तावेजों के फर्जी पाए जाने के बाद वरिष्ठ जिला पंजीयक उज्जैन ने भी 29 अप्रैल 2026 को नगर निगम आयुक्त को पत्र लिखा है। इसमें सर्वे क्रमांक 716/1 की रजिस्ट्रियां शून्य करने के संबंध में शासकीय अधिवक्ता से विधिक अभिमत प्राप्त कर यथोचित कानूनी कार्रवाई करने को कहा गया है।

महाकुंभ के लिए उपयोगी है जमीन, जमींदोज हो अवैध निर्माण

शिकायतकर्ता संगठन का कहना है कि उन्होंने समय-समय पर निगम प्रशासन, जिला प्रशासन और पुलिस को इस फर्जीवाड़े से अवगत कराया है। संगठन ने मांग की है कि भूमाफियाओं और फर्जी दस्तावेज बनाने वालों पर तत्काल धोखाधड़ी का अपराध दर्ज किया जाए और जमीन पर बने अवैध निर्माणों को जमींदोज किया जाए। यह भूमि नदी के पास है और इसके दोनों ओर मुख्य सड़क है। ऐसे में आगामी सिंहस्थ महाकुंभ 2028 में यह जमीन किसी भी सरकारी कार्यालय या भवन निर्माण के लिए बेहद उपयोगी साबित हो सकती है। संगठन ने चेतावनी दी है कि जब तक भूमाफियाओं के खिलाफ कठोर कार्रवाई नहीं होती, उनका आंदोलन लगातार जारी रहेगा।

अस्मिता बास्केटबॉल लीग में नीमच बना चैंपियन, इंदौर कॉर्पोरेशन उपविजेता

उज्जैन। महानंदा नगर स्थित बास्केटबॉल एरिना में चल रही अस्मिता बास्केटबॉल लीग जूनियर बालिका वर्ग चैंपियनशिप का रविवार को रोमांचक फाइनल मुकाबले के साथ समापन हो गया। मध्य प्रदेश बास्केटबॉल एसोसिएशन के तत्वावधान में उज्जैन कॉरपोरेशन एरिया बास्केटबॉल एसोसिएशन द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता के फाइनल में नीमच जिले ने इंदौर कॉर्पोरेशन को 71-40 के अंतर से हराकर खिताब अपने नाम किया। मेजबान उज्जैन कॉरपोरेशन और एनबीए इंदौर संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे।

एसोसिएशन की सचिव ऋतु शर्मा ने बताया कि फाइनल मुकाबले में नीमच की बालिकाओं ने शानदार खेल दिखाया। टीम की ओर से दिव्यल यादव, ऋतु, लक्षिता और शिवानी ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। वहीं, इंदौर कॉरपोरेशन की ओर से पावनी दुबे और साफिया ने भी अपने बेहतरीन खेल से प्रभावित किया। विजेता और उपविजेता टीमों के खिलाड़ियों को संगठन की तरफ से मेडल, ट्रॉफी और आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए गए।

खिलाड़ियों को मिले व्यक्तिगत पुरस्कार प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को व्यक्तिगत पुरस्कारों से भी नवाजा गया। पूर्व राष्ट्रीय खिलाड़ी शरद वाघमारे ने लक्षिता चौहान को ओवरऑल बेस्ट प्लेयर के पुरस्कार से सम्मानित किया।

पर्यावरण संरक्षण के सतत् पाँच वर्ष पूर्ण होने पर वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न

दैनिक दिव्य संवाद उज्जैन। पर्यावरण प्रेमी परिवार सामाजिक सेवा संस्थान एवं वसुंधरा हरियाली महोत्सव समिति, उज्जैन के संयुक्त तत्वावधान में पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में सतत् पाँच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भू-विज्ञान अध्ययन शाला, सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, उज्जैन में वृक्षारोपण कार्यक्रम उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए पौधारोपण किया गया तथा उपस्थित जनों को पौधों के संरक्षण का संकल्प भी दिलाया गया।

इस अवसर पर संस्थान के सदस्यों ने बताया कि कोरोना काल में लोगों को ऑक्सीजन की कमी से संघर्ष करते हुए देखकर सेवा का भाव जागृत हुआ। इसी भावना के साथ लगभग 30 साथियों ने मिलकर पर्यावरण प्रेमी परिवार की शुरुआत की। बाबा महाकाल के आशीर्वाद से पिछले पाँच वर्षों में उज्जैन शहर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के 100 से अधिक स्थानों पर प्रत्येक सप्ताह, प्रत्येक मौसम में बिना किसी व्यवधान के वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण का कार्य निरंतर किया गया है।

12 से 18 जून 2026 तक जनकल्याण शिविर का आयोजन किया जाएगा

जिले के प्रत्येक विकासखण्ड एवं नगरीय निकाय मुख्यालय पर तीन दिवसीय विशेष शिविरों का आयोजन किया जाएगा

उज्जैन । मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग, मंत्रालय, भोपाल के निर्देशानुसार विश्व पर्यावरण दिवस 05 जून एवं अंतर्राष्टीय योग दिवस 21 जून के मध्य जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

इसके अंतर्गत उज्जैन जिले के प्रत्येक विकासखण्ड एवं नगरीय निकाय मुख्यालयों पर दिनांक 12 जून से 18 जून 2026 तक तीन दिवसीय ÷जन कल्याण शिविर का आयोजन किया जाएगा।

शिविर का मुख्य उद्देश्य शासन की केन्द्र एवं राज्य सरकार की प्रमुख हितग्राहीमूलक योजनाओं (सेचुरेशन एवं लक्ष्य आधारित) से वंचित पात्र हितग्राहियों की पहचान कर उनका पंजीयन, स्वीकृति एवं लाभ वितरण सुनिश्चित करना तथा आमजन की समस्याओं एवं शिकायतों का त्वरित निराकरण करना है।

शिविरों में प्रमुख गतिविधियाँ

जिले में संचालित केन्द्र एवं राज्य शासन की प्रमुख योजनाओं के पात्र किन्तु वंचित हितग्राहियों की विभागीय मैदानी अमले के सहयोग से पहचान कर उनका पंजीयन, स्वीकृति एवं लाभ वितरण।

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) अंतर्गत व्यक्तिगत पारिवारिक शौचालयों (द्ब॥॥रु) हेतु हितग्राहियों के आवेदन प्राप्त कर उनका पंजीयन एवं निराकरण।

शिविरों में कलेक्टर, अपर कलेक्टर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सहित जिले के समस्त विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहेंगे तथा विभागीय योजनाओं, सेवाओं, शिकायतों एवं लंबित प्रकरणों का परीक्षण कर यथासंभव मौके पर निराकरण सुनिश्चित करेंगे।

विभिन्न विभागों द्वारा प्रदाय की जाने वाली सेवाओं एवं योजनाओं की जानकारी हेतु विभागीय स्टॉल स्थापित किए जाएंगे तथा पात्र हितग्राहियों को आवेदन, पंजीयन एवं सेवा वितरण की सुविधा एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाएगी।

भारत सरकार एवं राज्य सरकार के विकास एवं प्रगति की प्रदर्शनी जनसंपर्क विभाग के सहयोग से आयोजित की जाएगी, जिसमें प्रबुद्ध जनों एवं आम नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी।

शिविरों में लाभ वितरण, हितग्राही संवाद, सफलता की कहानियों का प्रस्तुतीकरण तथा योजनाओं के संबंध में जनजागरूकता गतिविधियाँ भी आयोजित की जाएंगी। शिविर स्थल पर पर्याप्त छाया, पेयजल, स्वच्छता आदि की व्यवस्था की जाएगी।

अभियान के दौरान प्राप्त आवेदनों को दर्ज करने एवं निराकरण संबंधी कार्यवाही सी.एम. हेल्पलाइन पोर्टल के माध्यम से की जाएगी। पोर्टल में एक पृथक मॉड्यूल तैयार किया गया है।

जिला कलेक्टर उक्त अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन, विभागीय समन्वय, प्राप्त आवेदनों के समयबद्ध निराकरण तथा पात्र हितग्राहियों को लाभ वितरण के लिए उत्तरदायी होंगे। शिविरों का व्यापक प्रचार-प्रसार स्थानीय मीडिया, सोशल मीडिया एवं अन्य संचार माध्यमों से किया जाएगा ताकि अधिकतम नागरिक लाभान्वित हो सकें।

जिले के समस्त पात्र नागरिकों से अनुरोध है कि वे अपने नजदीकी जन कल्याण शिविर में अवश्य पहुंचें, आवश्यक दस्तावेज साथ लाएं एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का पूर्ण लाभ उठाएं। ऐसे आवेदन जिनका निराकरण तत्काल संभव नहीं होगा, उनके लिए समय-सीमा निर्धारित कर आवेदक को सूचित किया जाएगा एवं प्रकरणों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाएगी।

विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस पर आयोजित किया गया जनजागरूकता कार्यक्रम

उज्जैन । आयुक्त खाद्य सुरक्षा मध्यप्रदेश एवं कलेक्टर श्री रोशन कुमार सिंह के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा रविवार को विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के अवसर पर खाद्य सुरक्षा एवं सही भोजन शैली के संबंध में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये गये।

विभाग द्वारा चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला के माध्यम से श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति द्वारा संचालित निःशुल्क अन्नक्षेत्र तथा मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम द्वारा संचालित होटल उज्जैयिनी पर कार्यरत फूड हेण्डलर्स एवं श्रद्धालुओं को भोजन निर्माण, संग्रहण एवं सर्विसिंग के संबंध में रखी जाने वाली सावधानियों, व्यैक्तिक स्वच्छता के संबंध में तथा सही खान पान की आदतों के बारे में प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण में मौजूद कर्मचारियों व श्रद्धालुओं को अपने भोजन में नमक, तेल, शक्कर आदि की मात्रा धीरे-धीरे कम करने, दैनिक आहार में श्रीअन्न अर्थात् मिलेट्स को शामिल करने, पैक्ड खाद्य पदार्थों के लेबल को पढ़ने, स्थानीय व मौसमी फल-सब्जियों को अपने आहार में सम्मिलित तथा अखबार के भोजन परोसने आदि में उपयोग नहीं करने के संबंध में प्रशिक्षित किया गया।

पीएम सूर्य घर योजना में 1.33 लाख से ज्यादा सौर संयंत्र स्थापित-ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

942 करोड़ रुपये से अधिक की सब्सिडी जारी, 498 मेगावॉट से अधिक सौर क्षमता विकसित पीएम सूर्य घर योजना से ऊर्जा आत्मनिर्भर बन रहे परिवार

उज्जैन । प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की महत्वाकांक्षी पीएम सूर्य घर ÷ मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश में सौर ऊर्जा को लेकर नागरिकों में उत्साह लगातार बढ़ रहा है। प्रदेश में अब तक 1 लाख 33 हजार 121 सौर संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। प्रदेश में कुल 498.03 मेगावॉट सौर क्षमता विकसित की जा चुकी है। साथ ही हितग्राहियों को अब तक 942.19 करोड़ रुपये की सब्सिडी दी जा चुकी है। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा है कि इस योजना से परिवार ऊर्जा आत्मनिर्भर बन रहे हैं। पीएम सूर्य घर योजना मध्यप्रदेश में ऊर्जा आत्मनिर्भरता, पर्यावरण संरक्षण और आमजन को आर्थिक राहत प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण अभियान के रूप में स्थापित हो रही है।

तीनों विद्युत वितरण कंपनियों में उल्लेखनीय प्रगति

पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी योजना के क्रियान्वयन में अग्रणी है। यहां 54 हजार 773 संयंत्र स्थापित किए गए। इससे 56 हजार 247 परिवारों को लाभ मिला है। क्षेत्र में 202.07 मेगावॉट क्षमता विकसित हुई है और 389.31 करोड़ रुपये से अधिक की सब्सिडी जारी की गई है।मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी क्षेत्र में अब तक 47 हजार 734 सौर संयंत्र स्थापित किए गए हैं, जिनसे 50 हजार 323 परिवार लाभान्वित हुए हैं। कंपनी क्षेत्र में 185.09 मेगावॉट क्षमता के संयंत्र स्थापित हुए हैं तथा 339.28 करोड़ रुपये से अधिक की सब्सिडी जारी की गई है।

पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी क्षेत्र में 30 हजार 614 सौर संयंत्र स्थापित किए गए, जिनसे 30 हजार 899 परिवार लाभान्वित हुए हैं। कंपनी क्षेत्र में 110.87 मेगावॉट क्षमता के संयंत्र स्थापित हुए हैं तथा 213.60 करोड़ रुपये से अधिक की सब्सिडी वितरित की गई है।

उपभोक्ताओं को मिल रहा सीधा लाभ

योजना के तहत 1 किलोवॉट सौर संयंत्र पर 30 हजार रुपये, 2 किलोवॉट पर 60 हजार रुपये तथा 3 किलोवॉट या उससे अधिक क्षमता के संयंत्र पर 78 हजार रुपये तक की सब्सिडी दी जा रही है। इससे उपभोक्ताओं के बिजली बिलों में उल्लेखनीय कमी आ रही है और वे स्वच्छ ऊर्जा के माध्यम से आत्मनिर्भर बन रहे हैं।

भगवान महावीर के जयकारों के साथ निकली भव्य अहिंसा रैली, संस्कार शिविर के प्रतिभागी और विद्वान हुए सम्मानित

उज्जैन। विगत 6 दिनों से चल रहे वर्धमान बाल युवा संस्कार शिविर का समापन भव्य अहिंसा बाल रैली के साथ हुआ। रैली आदिनाथ जिनालय ऋषिनगर से शुरू होकर विभिन्न मार्गों से होते हुए कालिदास मांटेसरी स्कूल ऋषिनगर पहुंची। इसमें बड़ी संख्या में बालक-बालिकाएं जैन ध्वज थामे जैन धर्म और भगवान महावीर के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। कालिदास मांटेसरी स्कूल में आयोजित समापन समारोह में अतिथियों द्वारा शिविरार्थियों, विद्वानों और सहयोगियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया।

वर्धमान ग्रुप के अध्यक्ष हितेष बड़जात्या और कोषाध्यक्ष आदिश विनायका ने बताया कि समारोह में क्षेत्रीय संयोजकों, क्लास कॉर्डिनेटर सहित भोजन व पूजन व्यवस्था संभालने वाले संयोजकों का सम्मान किया गया। शिविर में बच्चों को संस्कारित करने के लिए विभिन्न शहरों से पधारे विद्वान पंडित प्रकाश छाबड़ा इंदौर, अभिषेक जैन शास्त्री, प्रतीक जैन शास्त्री भिंड, मयंक शास्त्री छतरपुर, पण्डित अचिन्त्य पुजारी खनियाधाना और प्रिंस शास्त्री इंदौर का सम्मान किया गया।

इसके पश्चात शिविर समारोह के आमंत्रणकर्ता स्नेहलता सोगानी, निर्मला जैन, अशोक चेतन राणा, कलावती, सुमित जैसवाल, विजय ममता पाटौदी और शैलेन्द्र संगीता जैन को भी सम्मानित किया गया। इस दौरान मंच पर मुख्य रूप से आदिनाथ जिनालय ऋषिनगर के अध्यक्ष प्रमोद जैन, सचिव सुनील बड़गड़िया, कालिदास मांटेसरी स्कूल के अध्यक्ष माणकलाल गिरिया, यशवंत जैन, संजय पांड्या, पंकज जैन और मनोज पारिख आसीन थे।

विभिन्न लेवल में यह रहे प्रथम

वर्धमान ग्रुप के चेयरमैन पंकज रेणु जैन और सचिव राजेश नमिता लुहाड़िया ने बताया कि शिविर के सभी 6 लेवल में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले शिविरार्थियों को विशेष पुरस्कार दिए गए।

इनमें लेवल 1 में मास्टर लक्षित जैन, लेवल 2 में पार्थ जैन, लेवल 3 में कु. आध्यात्मिका, लेवल 4 में कु. राशि जैन, लेवल 5 में ग्रन्थ जैन तथा लेवल 6 में सोनम जैन एवं सपना जैन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। शेष बच्चों को उन्हीं की क्लास में अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया।

सभा का मंगलाचरण सभी क्षेत्रीय संयोजकों ने और संचालन ज्योति अवतंस जैन ने किया। सफल आयोजन के लिए शिविर प्रभारी प्रतीक चौधरी, विवेक जैन, सलिल जैन, अखिलेश जैन, धवल दोशी, महावीर जैन, अभिषेक बड़जात्या, हितेष बाकलीवाल, मनोज बाकलीवाल, तनु बड़जात्या, नमिता लुहाड़िया और खुशी विनायका ने समाजजनों का धन्यवाद ज्ञापित किया। पूरे समारोह के सहयोगियों का आभार प्रदर्शन वर्धमान ग्रुप के सचिव राजेश लुहाड़िया ने माना।

कलेक्टर श्री सिंह और नगर निगम आयुक्त श्री मिश्रा ने मार्ग चौड़ीकरण कार्यों का निरीक्षण किया

उज्जैन । सिंहस्थ महापर्व 2028 के लिए शहर में आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर मार्ग चौड़ीकरण के कार्य किए जा रहे है। वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय पर पूरा करने के लिए नियमित निरीक्षण किए जा रहे है। रविवार शाम को नियमित निरीक्षण के तहत कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने नगर निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा के साथ नगर निगम के माध्यम से प्रगतिरत शहर के विभिन्न मार्गों के चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि मार्ग चौड़ीकरण कार्य के दौरान मार्ग के दोनों ओर साईट नाली निर्माण करने और सड़क का मलबा हटाने का कार्य प्राथमिकता के साथ करें। जिससे कार्य के दौरान रहवासियों को आने-जाने में परेशानी नही हो।

कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने रविवार को महाकाल मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं के सुगम दर्शन के लिए प्राचीन महाकाल द्वार के समीप से कहारवाड़ी तक निर्माणाधीन मार्ग का कार्य किया जा रहा है। मौके पर निगम आयुक्त श्री मिश्रा ने जानकारी दी कि मार्ग में दोनों ओर रिटर्निंग वाल का कार्य प्रगतिरत है। हेरिटेज होटल के सामने मार्ग में राफ्ट फाउंडेशन का कार्य किया गया है। कलेक्टर श्री सिंह ने मार्ग निर्माण के लिए संसाधन बढ़ाकर तेज गति से करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री सिंह ने हरसिद्धि की पाल से रामघाट तक निर्माणाधीन मार्ग चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया। निगम आयुक्त श्री मिश्रा ने कार्य प्रगति की जानकारी दी। मौके पर कलेक्टर श्री सिंह ने निर्माण सामग्री का अवलोकन कर निर्माण कार्य के दौरान गुणवत्ता का ध्यान रखने के निर्देश दिए। इसके बाद कलेक्टर श्री सिंह ने ढाबारोड़ से टंकी चौराहा तक मार्ग चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण करते हुए निर्देश दिए कि चौड़ीकरण कार्य के दौरान मार्ग के दोनों ओर नाली निर्माण तेज गति से करने और सड़क से मलबा हटाने के लिए अतिरिक्त संसाधन बढ़ाकर रात्रि में भी कार्य करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि रहवासियों को आने-जाने में कोई परेशानी नही हो इसके लिए मलबा तुरंत हटाया जाए। कलेक्टर श्री सिंह ने छोटा सराफा से सतीगेट, कंठाल चौराहा, कोतवाली के सामने तक मार्ग चौड़ीकरण कार्य का अवलोकन पैदल भ्रमण करते हुए किया। नगर निगम आयुक्त द्वारा कार्य प्रगति की जानकारी दी गई। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि कंठाल से सतीगेट मार्ग चौड़ीकरण कार्य में सड़क के दोनों साइट से नाली निर्माण का कार्य तेज गति से किया जाए।

रात्रि के समय मलबा हटाने का कार्य किया जाए जिससे कार्य प्रभावित नही हो और रहवासियों को भी परेशानी न हो। कलेक्टर ने मौके पर कार्य देखने वाले संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की जांच करने और गुणवत्ता पूर्ण निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

ग़ज़लांजलि साहित्यिक संस्था की काव्य-गोष्ठी आयोजित

उज्जैन। डॉ. श्रीकृष्ण जोशी की अध्यक्षता में ग़ज़लांजलि साहित्यिक संस्था की काव्य-गोष्ठी आयोजित हुई। दीप प्रज्जवलन पश्चात काव्य-पाठ करते हुए अशोक रक्ताले ने ग़ज़ल कैसी तुमने ये हमसरी कर ली, धूप में देह साँवली कर ली... पढ़कर शायर बशीर बद्र को समर्पित की। वहीं संजय व्यास उज्जैनी ने अपने दिवंगत मित्र की याद में रचना मित्रता दिवस पर ही सही कोई गीत या कविता उन पर या हम पर सुनाने गुनगुनाने मित्रों के संग आया करो... सुनाई।

कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए अवधेश वर्मा नीर ने बनारस आय आय टी छात्र के शोध पर कविता वाराणसी भारत का प्राचीन नगर तकनीकी शिक्षा में रहा अग्रणी, वहाँ आय आय टी के वैज्ञानिक भी हो गए अत्यंत अग्रणी... सुनाई।

दिलीप जैन ने हमने आजीवन ही बटोरा फिर भी वह लगता थोड़ा... रचना का पाठ किया। विनोद काबरा ने प्रेम पर अपनी कविता सौन्दर्य से परिपूर्ण है प्रेम प्रकृति और परमात्मा के बीच है प्रेम... पढ़ी। डॉ. आर.पी. तिवारी ने पर्यावरण दिवस पर लिखी रचना हरित रहित हो रही धरा है नित प्रति घटते वन उपवन, इसी तरह यदि वृक्ष कटे तो कहाँ मिलेगी प्राम पवन... सुनाई। लफ्ज़ों के माने गुम हुए, रस्मों रिवाज़ पुराने गुम हुए... ग़ज़ल डॉ. विजय सुखवानी ने पढ़ी। नीट परीक्षा पर व्यंग्य नीट तू इतना क्यों बुरा गयी... रचना अक्षय चवरे ने पढ़ी। बाँधना तो मुहब्बत नहीं है, छोड़ देना भी उल्फ़त नहीं है... ग़ज़ल विजयसिंह गहलोत साकित ने पढ़ी। शायर आशीष अश्क ने डरता नहीं है कोई खुदा ए करीम से, हर आदमी को रहता है आदमी से डर... ग़ज़ल पढ़ी। डॉ. अखिलेश चौरे ने चाहा था मैंने इतना तो मेरा नसीब हो, घिर जाऊँ मुश्किलों से तो कोई करीब हो... ग़ज़ल सुना कर वाह वाही पाई। गोष्ठी में सम्मिलित कत्थक नृत्याचार्य डॉ. पूनम व्यास ने माँ विषय पर अपनी कविता वो जो ममता की लहरों में डूबी हुई, वो जो चाहत के रंगों से रंगी हुई... सुनाई। कार्यक्रम समाप्ति पर दिलीप जैन ने आभार ज्ञापित किया।

पौधारोपण अभियान चलाया

उज्जैन। पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन बनाने और प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी को निभाते हुए संस्था समग्र चेतना ग्रामोत्थान महिला कल्याण समिति द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्था ने व्यास नगर गार्डन में एक विशाल पौधारोपण अभियान चलाया। कार्यक्रम की शुरुआत संस्था अध्यक्ष द्वारा स्वाति फटाले एवं सचिव सयाली द्वारा पौधा वितरण कर की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज के समय की सबसे बड़ी आवयश्कता है। केवल एक दिन पेड़ लगने से काम नहीं चलेगा, बल्कि हमें इसकी देखभाल का संकल्प भी लेना होगा। संस्था द्वारा इस अवसर पर फलदार एवं छायादार पौधे रोपे गये। सभी उपस्थित लोगों को सिंगल यूज़ प्लास्टिक का उपयोग न करने, जल बचाने और अपने जन्मदिन पर एक पेड़ लगाने की शपथ दिलाई। कार्यक्रम के अंत में सचिव सायली फटाले ने सभी उपस्थित सदस्यों अतिथियों का आभार व्यक्त किया। संस्था के शोभा रोहिणी, कोकीला, मीरा गौर, लक्ष्मी यादव, रागिनी, प्रिंयका सभी सदस्यों सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया।

सिंधु सेना 8 जून से करेगी संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का भव्य आयोजन

उज्जैन। सिंधु सेना उज्जैन द्वारा पुरुषोत्तम मास अधिक मास के पावन अवसर पर सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। श्री मुकुंदाचार्य जी महाराज के मुखारविंद से 8 जून से 14 जून तक प्रतिदिन दोपहर 4 बजे से शाम 7 बजे तक कथा का वाचन होगा।

आयोजन की रूपरेखा तय करने के लिए समाजजनों की एक बैठक आयोजित की गई। इसमें बताया गया कि कथा के प्रथम दिन 8 जून सोमवार को दोपहर 4 बजे सिंधी धर्मशाला से एक भव्य कलश यात्रा प्रारंभ होगी, जो कथा स्थल झूलेलाल मंदिर के पास पहुंचेगी। बैठक में समाजजनों द्वारा अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने की अपील की गई। बैठक में इनकी रही उपस्थितिरकथा की तैयारियों को लेकर हुई बैठक में बड़ी संख्या में समाजजन एवं मातृशक्ति उपस्थित रहे। पुरुषों में मुख्य रूप से संतोष लालवानी, राजकुमार परसवानी, किशोर मुलानी, गिरधारी लालवानी, रतनलाल काका, मोहन वासवानी, दीपक बेलानी, नरेश धनवानी, रितेश लालवानी, सुनील नवलानी, चंदीराम जेठवानी, विनोद मुलानी, लालू नागवानी, दीपक वाधवानी, राजेश कृष्णानी और वासु सोनी उपस्थित थे।

मांगों का निराकरण नहीं होने पर पेंशनर्स ने दी प्रांतीय आंदोलन की चेतावनी

उज्जैन। राज्य शासन द्वारा पेंशनरों की समस्याओं का निराकरण नहीं किए जाने से नाराज प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन ने अब आंदोलन का शंखनाद कर दिया है। प्रांतीय अध्यक्ष के भोपाल से प्राप्त निर्देशों के परिपालन में उज्जैन में आयोजित जिला स्तरीय बैठक में आंदोलन की रूपरेखा तैयार की गई। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि इसके बाद भी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ, तो भोपाल में प्रांतीय स्तर का बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष अशोक कुमार जैन के अनुसार सावन भादौ बिजासन माता मंदिर परिसर में 7 जून को दोपहर 1 बजे जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में तय किया गया कि पेंशनर्स अपनी मांगों को लेकर 10 जून को दोपहर 1 बजे तहसील स्तर पर तहसीलदार एवं एसडीएम को ज्ञापन सौंपेंगे। इसके बाद 30 जून को दोपहर 1 बजे संघ के पदाधिकारियों के नेतृत्व में कलेक्टर को जिला स्तरीय ज्ञापन दिया जाएगा। बैठक के दौरान ज्ञापन में शामिल की जाने वाली पेंशनर्स की प्रमुख समस्याओं के प्रारूप को अंतिम रूप दिया गया।

बैठक में यह पदाधिकारी रहे उपस्थित

आंदोलन को सफल बनाने और शासन तक अपनी बात मजबूती से पहुंचाने के लिए संभागीय एवं जिला स्तरीय पदाधिकारियों ने सभी सदस्यों से एकजुट होकर कार्य करने का निर्णय लिया है। बैठक में मुख्य रूप से अनिल कुमार त्रिवेदी, अशोक जैन, देवप्रकाश शर्मा, शांतिलाल जायसवाल, बाबूलाल शर्मा, देवीप्रसाद शर्मा, प्रकाश शर्मा, ओमप्रकाश वर्मा, रतनलाल आंजना, विक्रम सिंह चौहान और घनश्याम तिवारी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

माधव सेवा न्यास द्वारा 18वें वर्ष के महा रक्तदान शिविर का आयोजन

उज्जैन। सामाजिक सेवा एवं मानव कल्याण के क्षेत्र में सतत कार्यरत माधव सेवा न्यास, उज्जैन द्वारा अपने संस्थापक अध्यक्ष स्व. अशोक खंडेलवाल की पावन स्मृति में प्रतिवर्ष आयोजित किए जाने वाले रक्तदान शिविर की श्रृंखला में इस वर्ष भी 18वें महा रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह रक्तदान शिविर मंगलवार, 9 जून 2026 को प्रातः 9.30 बजे से दोपहर 2 बजे तक माधव फिजियोथेरेपी चिकित्सा केंद्र, भारत माता मंदिर, माधव सेवा न्यास परिसर, उज्जैन में आयोजित होगा। माधव सेवा न्यास के अध्यक्ष बलराज भट्ट ने बताया कि रक्तदान मानवता की सर्वोच्च सेवा है। एक यूनिट रक्त कई जरूरतमंद मरीजों के जीवन की रक्षा कर सकता है। न्यास द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित इस शिविर में बड़ी संख्या में रक्तदाता सहभागी बनते हैं और समाज के प्रति अपने दायित्व का निर्वहन करते हैं।

न्यास के पदाधिकारियों ने नगर के सभी सामाजिक, धार्मिक एवं सेवा भावी बंधु-भगिनियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर रक्तदान करने तथा इस पुनीत अभियान को सफल बनाने का आग्रह किया है।

संपादकीय

भारत के मजबूत बफर्स बाजारों को संभाल सकते हैं, लेकिन ज्यादा टाले नहीं जा सकते कठिन आर्थिक फैसले

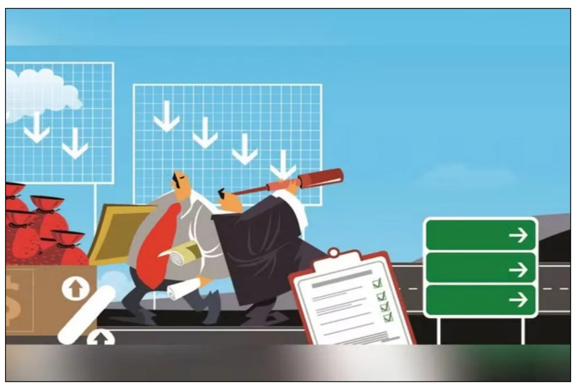

अमेरिका-इजरायल-ईरान युद्ध के चलते भारत भी अनिश्चित समय से गुजर रहा है। आर्थिक और नियामक बफर यानी बचाव मौजूद हैं, और बाजारों ने अधिक जोखिम को मूल्यांकित कर लिया है। हालांकि, व्यापक आर्थिक कमजोरियां बनी हुई हैं। भारत को अधिक निवेश और नवाचार की आवश्यकता है। इस उद्देश्य के लिए उपयुक्त नीतियां, बाहरी और राजकोषीय असंतुलन को दूर करने, विदेशी निवेश आकर्षित करने और संतुलित विकास को बेहतर सहारा देने में मदद कर सकती हैं।

बाजार, प्रवाह और नियमन- भारत लगातार बाहरी असंतुलन का शिकार है। वित्त वर्ष 25 में भारत का मुख्य बाहरी घाटा 38 अरब डॉलर था। यह चालू खाते के घाटे, शुद्ध प्रत्यक्ष विदेशी निवेश और शुद्ध इक्विटी विदेशी पोर्टफोलियो निवेश से संबद्ध था। वित्त वर्ष 26 में यह बढ़कर 40-45 अरब डॉलर हुआ और वित्त वर्ष 27 में यह 50 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। इसके विपरीत, रिजर्व बैंक के पास अग्रिम बिक्री को घटाकर अनुमानित 585 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार है। यह बफर भारत को समायोजन के लिए समय प्रदान करता है।

हालांकि, वित्त वर्ष 2025 और 2026 के दौरान, रिजर्व बैंक को लगभग 195 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा की शुद्ध आपूर्ति करनी पड़ी, जो अनुमानित 80 अरब डॉलर के मुख्य घाटे से कहीं अधिक थी। इसलिए लगभग 115 अरब डॉलर की मांग, मुख्य घाटे से नहीं बल्कि हेजिंग और सट्टेबाजी से प्रेरित थी। ऑफशोर रुपया नॉन-डिलिवरेबल फॉरवर्ड (एनडीएफ) बाजार इस गतिशीलता की कुंजी है। पूंजी खाते के प्रतिबंधों को देखते हुए, आप घरेलू प्रतिभागी मुद्रा बाजार में आसानी से सटोरिया गतिविधि नहीं कर सकते। एनडीएफ बाजारों में ऑफशोर प्रतिभागियों पर ऐसे कोई प्रतिबंध लागू नहीं हैं।

कुछ साल पहले रिजर्व बैंक ने भारतीय बैंकों को ऑनशोर और एनडीएफ बाजारों में आर्बिट्राज (विभिन्न एक्सचेंजों पर एक साथ खरीद-बिक्री की इजाजत) की इजाजत दी थी ताकि दोनों बाजारों में मूल्य निर्धारण और नकदी को एक समान किया जा सके।

सहज मौद्रिक नीति ने डॉलर और रुपये के बीच ब्याज दर के अंतर को संकुचित कर दिया, जबकि भारत का बाहरी असंतुलन लगातार बना रहा। इसके परिणामस्वरूप प्रतिभागियों ने रुपये के विरुद्ध अपनी हेजिंग और सट्टेबाजी की स्थिति लगातार बढ़ाई। पिछले महीने जब रिजर्व बैंक ने ऑनशोर-एनडीएफ आर्बिट्राज को सीमित करने के कदम उठाए, तब अनुमानित 40 अरब डॉलर की एनडीएफ पोजीशन पर घरेलू बाजारों द्वारा मध्यस्थता की जा रही थी।

मुद्रा बाजारों को लगातार बने बाहरी घाटे के जवाब में कमजोर रुपये के साथ प्रतिक्रिया करनी चाहिए। वास्तव में, 40 देशों के व्यापार-भारित वास्तविक प्रभावी विनिमय दर के संदर्भ में देखें तो, रुपया 2025 की शुरुआत में 107 से अब लगभग 92 तक कमजोर हुआ है। हालांकि, मुख्य घाटे से कहीं अधिक, जब बड़े पैमाने पर एकतरफा पोजिशनिंग के कारण अवमूल्यन का एक ऐसा चक्र बन जाता है जो खुद को ही और मज़बूत करता जाता है, तो विनिमय दर बुनियादी आर्थिक कारकों को दर्शाने के बजाय, उन्हें प्रभावित करना शुरू कर सकती है। ऐसे में नियामक हस्तक्षेप आवश्यक हो सकता है।

ऑनशोर और ऑफशोर बाजारों के बीच आर्बिट्राज को सीमित करने के रिजर्व बैंक के उपाय इस संदर्भ में उचित थे, भले ही उनके क्रियान्वयन के समय और तरीके पर बहस की जा सकती है। यह ध्यान रखना अहम है कि रिजर्व बैंक ने व्यापार या पूंजी निवेश वाले किसी भी व्यक्ति को ऑनशोर हेजिंग से नहीं रोका है। न ही उसके कदम एनडीएफ बाजारों में सट्टेबाजी को रोक सकेंगे। हालांकि वे घरेलू समर्थन को सीमित करेंगे और इस प्रकार की सट्टेबाजी की लागत को बढ़ाएंगे।

भारत के इक्विटी बाजार मूल्यांकन भी समय के साथ वैश्विक बाजारों की तुलना में उल्लेखनीय रूप से नरम हुए हैं। भारतीय इक्विटी में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के स्वामित्व का हिस्सा कई दशकों के निचले स्तर पर है।

वृहद आर्थिक जोखिम- वृहद आर्थिक जो?खिम बरकरार हैं। मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के तेल मूल्य अनुमानों के आधार पर, भारत का चालू खाता घाटा वित्त वर्ष 2027 में 50-60 अरब डॉलर तक बढ़ सकता है। यह चिंता का विषय है, क्योंकि भारत पूंजी प्रवाह आकर्षित करने के लिए संघर्ष कर रहा है।

राजकोषीय दबाव भी महत्त्वपूर्ण हैं। राज्य सरकारें व्यय को स्थगित करके घाटे को कम दिखा सकती हैं। इसे समायोजित करने पर, भारत का वास्तविक राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 1 से 1.5 फीसदी तक अधिक हो सकता है। प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण की बढ़ती प्रवृत्ति राजकोषीय बोझ को और बढ़ाती है। आगामी वेतन आयोग के लागू होने पर भी यह देखने को मिलेगा।

ऊर्जा की ऊंची कीमतें भारत के राजकोषीय संतुलन पर दबाव को बढ़ा सकती हैं, बशर्ते कि खुदरा कीमतों में सार्थक वृद्धि न की जाए। हमें विकल्प चुनने होंगे। या तो राजकोषीय घाटा बढ़ाना होगा या फिर अधिक मुद्रास्फीति और धीमी वृद्धि का जोखिम उठाना होगा।

वृद्धि पहले से ही आपूर्ति श्रृंखला व्यवधानों से प्रभावित हो रही है। अल नीनो के असर और किसी भी उर्वरक की कमी से वृद्धि और मुद्रास्फीति दोनों के लिए जोखिम और बढ़ेंगे। आर्टिफिशल इंटेलिजेंस का रोजगार और महत्त्वपूर्ण सॉफ्टवेयर सेवाओं के क्षेत्र पर प्रभाव भी चिंता का विषय बना हुआ है। फिलहाल, नीति-निर्माताओं को कठिन विकल्पों को टालने का प्रलोभन हो सकता है।

अगर आरबीआई का प्रबंधन नहीं होता, तो रुपया कहीं अधिक अस्थिर होता

कोविड-19 महामारी के दिनों से उथल-पुथल की शिकार हुई दुनिया एक के बाद एक नई चुनौतियों से जूझ रही है। कोविड महामारी की चोट से दुनिया ने जैसे-तैसे उबरना शुरू ही किया था कि फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूस के आक्रमण से आपूर्ति तंत्र फिर अस्त-व्यस्त हो गया और भू-राजनीतिक तनाव बढ़ गया। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद ऊर्जा के प्रमुख आपूर्तिकर्ता देश रूस पर पश्चिमी देशों ने प्रतिबंध लगा दिए। इस बीच, मुद्रास्फीति अधिकांश प्रमुख केंद्रीय बैंकों के लिए एक चुनौती बन गई। कोविड महामारी के कारण आपूर्ति तंत्र में उत्पन्न व्यवधान और कुछ हद तक नीतिगत स्तर पर अधिक रियायत इसके लिए जिम्मेदार थे।

उदाहरण के लिए अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने मार्च 2022 और जुलाई 2023 के बीच नीतिगत ब्याज दरों में 5 फीसदी अंक से अधिक इजाफा कर दिया। अन्य प्रमुख केंद्रीय बैंकों ने भी इसी तरह के कदम उठाए जिससे वैश्विक मुद्रा बाजारों में अस्थिरता काफी बढ़ गई।

हालात पूरी तरह सुधरे भी नहीं थे कि डॉनल्ड ट्रंप के अमेरिका के राष्ट्रपति बनने के बाद अनिश्चितता का एक नया दौर शुरू हो गया। ट्रंप की नीतियों ने वैश्विक व्यवस्था को झकझोर दिया। उन्होंने 'अमेरिका को दोबारा महान बनाने' के नाम पर ऐसे उपाय किए जिनसे पूरी दुनि?या में अफरा-तफरी मच गई। अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा लगाए गए जवाबी शुल्कों ने वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता बढ़ा दी। रूस से तेल आयात करने पर भारत पर अतिरिक्त दंडात्मक शुल्क लगाए गए।

हालांकि, भारत और अमेरिका ने इस साल की शुरुआत में एक व्यापार समझौता किया मगर अमेरिका के शीर्ष न्यायालय ने जवाबी शुल्कों को अवैध घोषित कर प्रभावी शुल्कों में काफी कमी कर दी। इसके बावजूद, शुल्क ट्रंप के एजेंडे का एक अहम हिस्सा हैं और वे इन्हें अलग-अलग कानूनों के तहत फिर से लागू करने की कोशिश कर रहे हैं।

दुनिया के लिए एक नई मुसीबत तब शुरू हो गई जब अमेरिका ने इजरायल के साथ मिलकर 28 फरवरी को ईरान पर हमला कर दिया। ईरान युद्ध के भू-राजनीतिक परिणाम समय के साथ सामने दिखेंगे मगर इससे भारत और दुनिया के लिए भारी अनिश्चितता पैदा हो गई है।

व्यापार में व्यवधान और आपूर्ति श्रृंखला में बदलाव के लिए व्यापक नीतिगत प्रतिक्रिया आवश्यक है मगर वैश्विक झटके सबसे पहले पूंजी प्रवाह और मुद्रा की चाल पर असर डालते हैं। इससे नीतिगत बहस छिड़ जाती है जैसा कि वर्तमान में हो रहा है। इस पृष्ठ पर लिखने वाले टिप्पणीकारों सहित कई लोगों का तर्क है कि भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) को रुपये में गिरावट थामने का प्रयास नहीं करना चाहिए। इस तर्क में दम है। भारत की भुगतान संतुलन स्थिति बिगड़ गई है और कमजोर मुद्रा विदेशी निवेशकों के लिए भारतीय वस्तुओं एवं परिसंपत्तियों को सस्ता बनाकर संतुलन बहाल करने में मदद करेगी। मगर यह बहस का विषय है कि क्या आरबीआई को मुद्रा बाजार से पूरी तरह दूर रहना चाहिए जैसा कि तर्क दिया जा रहा है। वर्ष 2020 के बाद की घटनाओं का संक्षिप्त विवरण इस संदर्भ में सहायक होगा।

हाल के वर्षों का लेखा-जोखा- कोविड महामारी से संबंधित अनिश्चितताओं के कारण जनवरी से अप्रैल 2020 के मध्य तक भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले लगभग 7 फीसदी गिर गया। मार्च 2020 में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने 15 अरब डॉलर से अधिक मूल्य के भारतीय शेयर और बॉन्ड बेचे। हालांकि, दुनिया भर में सक्रिय नीतिगत उपायों के साथ स्थिति में तेजी से बदलाव आया। रुपये में सुधार हुआ लेकिन आरबीआई द्वारा भंडार बढ़ाने के कारण इसकी वृद्धि सीमित रही।

वर्ष 2020 में आरबीआई ने अपने भंडार में लगभग 120 अरब डॉलर की वृद्धि की। वर्ष 2022 में जब फेडरल रिजर्व सहित दूसरे केंद्रीय बैंकों ने ब्याज दरें बढ़ाईं तो स्पष्ट कारणों से रुपये पर दबाव पड़ा। आरबीआई के हस्तक्षेप के बावजूद उस वर्ष रुपये में 11 फीसदी से अधिक की गिरावट आई। वर्ष 2022 के पहले नौ महीनों में विदेशी मुद्रा भंडार लगभग 100 अरब डॉलर कम हो गया। आरबीआई ने बाद में अपना भंडार दोबारा तैयार किया जो वर्ष 2025 में 700 अरब डॉलर से अधिक हो गया।

वित्त वर्ष 2025-26 में व्यापार तनाव के कारण रुपये में लगभग 10 फीसदी की गिरावट आई। वर्ष 2020 की शुरुआत से अब तक रुपये का मूल्य डॉलर के मुकाबले लगभग 71.2 से गिरकर लगभग 94 हो गया है। लिहाजा यह तर्क देना कठिन है कि आरबीआई रुपये को समायोजित होने नहीं दे रहा है। वास्तव में व्यापार-भारित 40-मुद्रा वास्तविक प्रभावी विनिमय दर यह दर्शाती है कि रुपया अवमूल्यित है जो वर्तमान परिस्थितियों में सहायक होगा। आरबीआई की घोषित नीति यह है कि वह किसी भी स्तर को लक्षित नहीं करता और केवल अत्यधिक अस्थिरता कम करने के लिए हस्तक्षेप करता है।

पिछले कुछ वर्षों के आंकड़ों से स्पष्ट है कि अगर आरबीआई बाजार से दूर रहता तो मुद्रा में अस्थिरता कहीं अधिक होती। अतः यह प्रश्न पूछना उचित है कि आरबीआई इस दौरान बाजार से दूर रहता तो भारतीय अर्थव्यवस्था बेहतर स्थिति में होती? वैश्विक वित्तीय संकट के बाद के वर्षों में आरबीआई ने काफी हद तक निष्क्रिय दृष्टिकोण अपनाया। इसका परिणाम अच्छा नहीं रहा और भारत को वर्ष 2013 में लगभग मुद्रा संकट का सामना करना पड़ा। रुपया स्थिर करने के लिए उसे प्रवासी भारतीयों से जमा को लेकर उत्साह दिखाने का आह्वान करना पड़ा। इस तरह की बार-बार होने वाली घटनाएं भारतीय अर्थव्यवस्था में विश्वास जगाने की उम्मीद को कमजोर करती हैं।

धारणाओं पर पुनर्विचार की जरूरत- हाल के घटनाक्रम और भविष्य की संभावनाओं को देखते हुए एक अन्य जरूरी पहलू पर ध्यान देने की आवश्यकता है। भारतीय नीति निर्माताओं ने लंबे समय से यह मान लिया है कि देश सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के लगभग 2.0 से 2.5 फीसदी चालू खाते के घाटे (सीएडी) के साथ आगे बढ़ सकता है और विदेशी पूंजी प्रवाह से घरेलू बचत में आई कमी की पूर्ति हो सकती है। विदेशी बचत की उपलब्धता राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन ढांचे में भी अंतर्निहित है।

अब चूंकि, जीडीपी के लगभग1.0 से 1.5 फीसदी के मामूली सीएडी का वित्तपोषण भी चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है इसलिए ऐसी मान्यताओं पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता हो सकती है। इस संदर्भ में यह भी उल्लेखनीय है कि अमेरिका में बजट घाटा संरचनात्मक रूप से उच्च स्तर पर पहुंच गया है जिससे अधिक वैश्विक बचत का उपयोग हो सकता है और विदेशी पूंजी की लागत बढ़ सकती है।

लिहाजा अधिक बाह्य स्थिरता के लिए भारत को घरेलू बचत को बढ़ावा देने और सामान्य सरकारी बजट घाटे को उपलब्ध वित्तीय बचत के अनुरूप समायोजित करने की आवश्यकता है।

यूएई का ओपेक से बाहर निकलने का फैसला, वैश्विक तेल बाजार में बड़े बदलाव की आहट

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने तेल निर्यात करने वाले देशों के 12 सदस्यीय समूह ओपेक से अलग होने का फैसला किया है। यह तेल उत्पादक देशों का ऐसा समूह है जिसने दशकों से तेल बाजार को प्रभावित किया है। ओपेक में तीसरे सबसे बड़े तेल उत्पादक यूएई ने 22 सदस्यीय ओपेक प्लस गठजोड़ से भी अलग होने का निर्णय लिया है। उसके इस निर्णय के लिए आर्थिक और राजनीतिक दोनों तरह की वजहों का हवाला दिया जा रहा है।

आर्थिक मोर्चे पर इससे यूएई को समय के साथ अपनी क्षमता और उत्पादन बढ़ाने का और अधिक अवसर मिलेगा। स्पष्ट रूप से ध्यान कीमत पर नहीं बल्कि मात्रा पर अधिक है। अनुमानों के अनुसार, यूएई के पास प्रतिदिन लगभग 50 लाख बैरल उत्पादन की क्षमता है, लेकिन वर्तमान ओपेक कोटा के तहत उसे केवल लगभग 34 लाख बैरल प्रतिदिन पंप करने की अनुमति दी गई, जिसे वह अनुचित मानता है। इस प्रकार, वह वैश्विक आपूर्ति को जल्दी बढ़ा सकता है, जिससे कीमतें कम करने में मदद मिलेगी। राजनीतिक मोर्चे पर, यूएई कथित रूप से इस बात से असंतुष्ट है कि क्षेत्र के देश ईरान मामले से कैसे निपटे। हालिया युद्ध के दौरान उसे काफी अधिक हमलों का सामना करना पड़ा। अधिक तेल मात्रा से होने वाली अधिक राजस्व आय पिछले दो महीनों में हुए नुकसान की भरपाई करने में मदद करेगी।

यूएई के बाहर निकलने से ओपेक के भविष्य और वैश्विक तेल कीमतों को प्रभावित करने की उसकी क्षमता पर सवाल उठे हैं। किसी भी स्थिति में, हाल के वर्षों में वैश्विक कच्चे तेल बाजार में उसका प्रभाव घटा है। इसके लिए आंशिक रूप से अमेरिका में बढ़ा हुआ तेल उत्पादन भी योगदान करता है। कई मौकों पर ओपेक सदस्यों ने अधिक तेल पंप किया ताकि कीमतें अपेक्षाकृत कम स्तर पर बनी रहें और अमेरिकी शेल तेल उत्पादन में निवेश को अव्यवहार्य बनाया जा सके।

फिर भी, अमेरिका में तेल उत्पादन लगातार बढ़ता रहा है। अब यूएई के बाहर निकलने के साथ, संभव है कि कुछ अन्य ओपेक सदस्य भी निवेश और उत्पादन से संबंधित निर्णय लेने में अधिक स्वतंत्रता पाने के लिए बाहर निकलना चाहें। इससे मध्यम अवधि में वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में उल्लेखनीय कमी आ सकती है।

किसी भी स्थिति में, अतीत में ऐसे उदाहरण रहे हैं जहां ओपेक सदस्य अपने दिए गए कोटे का पालन नहीं कर पाए, जिससे कीमतों को नियंत्रित करने की क्षमता प्रभावित हुई।

हालांकि यूएई के बाहर निकलने का प्रभाव तभी दिखाई देगा जब होर्मुज स्ट्रेट में दोहरी नाकाबंदी को हटाया जाएगा। वर्तमान स्थिति में, इस बात पर कोई स्पष्टता नहीं है कि अमेरिका और ईरान के बीच गतिरोध कितने समय तक जारी रहेगा, जो वैश्विक अर्थव्यवस्था को गंभीर रूप से प्रभावित कर रहा है। रिपोर्टों से पता चलता है कि ईरान द्वारा दिए गए प्रस्ताव अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप को स्वीकार्य नहीं हैं।

स्ट्रेट पर अमेरिकी नाकाबंदी के साथ, ट्रंप ईरान पर आर्थिक दबाव डालने की कोशिश कर रहे हैं, जो फिलहाल कारगर नहीं दिख रहा है। इस क्षेत्र से जब तेल आपूर्ति का दोबारा शुरू होना अल्पावधि में अनिश्चित बना हुआ है, ओपेक की कमजोरी मध्यम अवधि में स्थायी रूप से तेल की कीमतें कम करने में मदद कर सकती है।

भारत अपनी कच्चे तेल की खपत के 85 फीसदी से अधिक के लिए आयात पर निर्भर करता है, इसलिए उसे कम कीमतों से लाभ होगा। यूएई भारत के शीर्ष आपूर्तिकर्ताओं में से एक है। दोनों देश अधिक मात्रा में तेल व्यापार के लिए दीर्घकालिक अनुबंध कर सकते हैं, जिससे अधिक स्थिरता और पूर्वानुमान सुनिश्चित होगा।

यूएई की पाइपलाइन क्षमता में सुधार की भी उम्मीद है, जिससे होर्मुज स्ट्रेट से बचा जा सकेगा। हालांकि निकट अवधि में लाभ केवल तभी मिलेगा जब पश्चिम एशिया का संकट हल हो जाएगा। बहुत कुछ समाधान की शर्तों पर भी निर्भर करेगा। यदि ईरान को भी स्वतंत्र रूप से तेल बेचने की अनुमति दी जाती है, तो उपलब्धता और बढ़ेगी और आयातकों के लिए कीमतों पर अनुकूल प्रभाव पड़ेगा।

तेल खरीद का खुला रास्ता

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने ओपेक और ओपेक प्लस से अलगाव की घोषणा की है, तो भारत के लिए कच्चे तेल की आपूर्ति का एक और निश्चित मार्ग खुल गया है। यदि 1 मई को यूएई ओपेक से अलग हो जाता है, तो अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार में प्रतिस्पर्द्धा की नई शुरुआत होगी, नतीजतन तेल की कीमतें भी गिरेंगी। ओपेक तेल उत्पादक और निर्यातक देशों का संगठन है। फिलहाल सऊदी अरब उसका नेतृत्व कर रहा है। करीब 59 साल उसका हिस्सा बने रहने के बाद यूएई ने अलग होने का फैसला किया है। उसके कई कारण हैं। ईरान युद्ध और होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग पर ईरान की नाकेबंदी ने खासकर एशिया, अफ्रीका, लैटिन अमरीका के देशों में गंभीर ऊर्जा-संकट पैदा कर दिया है। ऐसे में यूएई का फैसला कमोबेश भारत के लिए वरदान-सा है। फिलहाल भारत करीब 140 अरब डॉलर का तेल सालाना खरीदता है। यदि तेल के दाम 1 डॉलर कम होते हैं, तो भारत का आयात बिल 10,000 करोड़ रुपए कम हो जाता है। यूएई के फैसले पर अमल किया जाता है, तो भारत सालाना 50,000 करोड़ रुपए से 1 लाख करोड़ रुपए तक की बचत कर सकता है। यह कोई सामान्य राशि नहीं है। महत्वपूर्ण यह है कि यूएई स्वतंत्र रूप से, तेल की कितनी भी मात्रा, भारत को निर्यात कर सकेगा और वह आपूर्ति निर्बाध भी होगी, क्योंकि रास्ता होर्मुज से अलग होगा। भारत अभी सबसे अधिक 15.7 लाख बैरल तेल हररोज रूस से खरीद रहा है। हमारी तेल की जरूरतों में यह रूस की 38 फीसदी से अधिक की हिस्सेदारी है। सऊदी अरब से औसतन 6.22 लाख बैरल कच्चा तेल और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से 4.35 लाख बैरल तेल हररोज खरीदा जा रहा है। भारत इतना विशाल देश है और उसकी आबादी 147 करोड़ से अधिक, विश्व में सर्वाधिक, है, लिहाजा हमारी तेल-जरूरतें भी व्यापक हैं। रूस, सऊदी, यूएई के अलावा, भारत को अमरीका, अल्जीरिया, अंगोला, कनाडा आदि देशों से भी कच्चा तेल आयात करना पड़ रहा है। भारत 35-50 फीसदी तेल होर्मुज के रास्ते आयात करता रहा है। करीब 42 फीसदी एलएनजी और 88 फीसदी एलपीजी का आयात भी होर्मुज के रास्ते ही होता रहा है। ईरान युद्ध के बावजूद होर्मुज के रास्ते करीब 40 लाख बैरल ईरानी तेल और अन्य टैंकर भारत पहुंचे हैं। भारत को निरंतर और निर्बाध तेल के आयात की जरूरत है, लिहाजा यूएई ओपेक से अलगाव के बाद जैसे ही अपनी तेल-नीति तय करती है, तो उसमें भारत जैसे 'रणनीतिक साझेदार' देश के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। भुगतान की शर्तें भी लचीली हो सकती हैं और खरीद भारतीय मुद्रा 'रुपए' में हो सकती है।

ईरान युद्ध के दौरान जब यूएई के तेल ठिकानों और रिफाइनरियों पर हमले किए गए और होर्मुज बंद किए जाने से सप्लाई चेन बाधित हुई, तो उस दौर में ओपेक यूएई के लिए 'सुरक्षा-कवच' साबित नहीं हो पाया। सऊदी के साथ तीखी बहसें जारी रहीं, क्योंकि यूएई अपना कोटा बढ़ाने की लगातार मांग कर रहा था और सऊदी उसे खारिज करता रहा था। ओपेक में रहते हुए यूएई अपनी क्षमता का 60-65 फीसदी ही तेल बेच पा रहा था। उत्पादन काफी था और भंडारण सीमित था। अब अलगाव के बाद यूएई अधिक तेल बेच पाएगा और ज्यादा कमाई कर मुनाफा भी हासिल कर सकेगा। भारत के लिए यह शुभ और सीधा-सपाट रास्ता है, क्योंकि अब अबू धाबी क्रूड ऑयल पाइपलाइन से होते हुए सीधा फुजैरा बंदरगाह तक पहुंचेगा। फुजैरा ओमान खाड़ी के तट पर है। वहां से तेल टैंकर सीधे अरब सागर में जाएंगे। होर्मुज पार करने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। वहां से भारत के पश्चिमी तट की बंदरगाह बहुत दूर नहीं है। यह वैश्विक ऊर्जा राजनीति के लिए भी सकारात्मक संकेत है। दरअसल ओपेक एक 'कार्टेल' है, जो तेल की सप्लाई घटा कर कीमतें ज्यादा रखता है। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप लंबे समय से इसकी आलोचना करते रहे हैं। उनका आरोप है कि ओपेक तेल महंगा कर दुनिया को लूट रहा है। अब यूएई के इससे अलग होने के बाद तेल की कीमतें 5-10 डॉलर प्रति बैरल कम भी हो सकती हैं। यूएई से आपूर्ति बढने पर भारत के विकल्प भी बढ़ सकते हैं और वह किसी भी स्थिति में, किसी एक देश, के दबाव में नहीं रहेगा। बहरहाल, तेल की कीमतें बढने पर अन्य वस्तुओं की कीमतें भी बढ़ जाती हैं।

पंचायती मिट्टी का सवाल

हिमाचल की सामाजिक-राजनीतिक जागरूकता की परीक्षा लेते पंचायत चुनाव तपती दोपहर लिख रहे हैं। कुल 3754 पंचायतों में लोग अपने वजूद और भविष्य की निगरानी का इंतजाम करेंगे, तो करीब पचास लाख मतदाताओं के मजमून जाहिर होंगे। पंचायतों के सामाजिक, आर्थिक व सांस्कृतिक मुद्दे बहुत ही नजदीक से मुआयना करते हैं और जहां साझी विरासत में टूटती कूहलें, विकास खंड की भूमिका, कच्ची गलियों के टूटते पत्थर, बढ़ती गंदगी के अंबार, बिजली-पानी की आपूर्ति और स्कूल-अस्पताल के बुनियादी सवालों की आंच बिखरती है। इसलिए पंचायतों के मार्फत 31182 पदों पर नया आरोहण, सियासत के तजुर्बे को नई रंगत देगा। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने युवाओं को स्थानीय निकाय चुनावों के माध्यम से आजमाने का रास्ता दिखाया है, तो यहां जज्बा और जनादेश आने वाली पीढ़ियों के मकसद बता रहा है। पिछली बार पंचायत चुनावों में एक पीढ़ी गुजर गई थी और कहीं-कहीं युवा ताजपोशियों ने यह साबित किया था कि भविष्य के वास्तुकार अगर जोश और जुनून से भरे होंगे, तो सारा परिदृश्य बदल जाएगा। हिमाचल के आंकड़ों में लिंग भेद की गुंजाइश न के बराबर है और इस बार भी 2567770 पुरुष मतदाताओं के मुकाबले 2511249 महिला मतदाता चुनावी संभावना से स्कोप तक वैचारिक समानता लाएंगे। जाहिर है ये चुनाव टोपी और घूंघट के बीच नहीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता के अलख जगाएंगे। कुल 52349 पहली बार के मतदाता अपने साथ, 'फूल खिले हैं गुलशन-गुलशन', जैसा मसौदा तैयार करके अपनी नई नवेली भूमिका में लोकतंत्र के पहले पाठ की प्रयोगशाला लिखेंगे। कहना न होगा कि समाज में आ रहे मानसिक बदलाव व साक्षरता दर स े कहीं आगे उच्चतम पढ़ाई के अक्स से निकले युवा मतदाता चाहें तो चुनाव के किरदार को पूरी तरह बदल सकते हैं। हिमाचली विकास को 51 शहर और 3754 पंचायतों के बीच नया सामंजस्य और नया अवतार चाहिए। पंचायतों से नगर पंचायत के बीच केवल सियासी बदलाव नहीं, मानसिक उत्प्रेरणा भी चाहिए। बढ़ते शहरों के कदों में गांव के खोने का डर अगर किसी नए कर की वजह से है, तो यह मुहावरा अच्छा नहीं। अंततः नगर निगमों के अस्तित्व में जुड़ रहीं पंचायतों को आगे चल कर पूरी तरह शहर की मिट्टी ही तो मजबूत करनी है। आश्चर्य यह कि इस बार योल कैंप छावनी बोर्ड से टूटे गांव, फिर से पंचायती राज में जन्नत देख रहे हैं। जो इलाके आजादी के पहले से ही शहरी सुविधाओं की सशक्त प्रणाली के तहत एक चुस्त व्यवस्था में चल रहे थे, क्या अब पुनः पंचायतों में प्रवेश करके जन्नत हासिल कर पाएंगे।

जाहिर है पंचायत चुनावों के टीले पर आवारा पशु, बंदर, वन्य प्राणी और जंगल से इनसानी रिश्तों की नई कहानी सुनाएंगे। कूहलों व खड्डों पर अतिक्रमण और रेत के खनन के विरुद्ध भी हो सकते हैं, बशर्ते राजनीतिक पार्टियां दृश्य में अपने हमसफर न खोजें। पूरे प्रदेश में चिट्टे की जड़ें अब गांव-गांव तक पहुंच रही है, तो एक नए युवा समाज के नेतृत्व को ताकतवर इच्छाशक्ति चाहिए।

भाजपा अपने दूसरे दफ्तर की तैयारी में, कांग्रेस कर रही किराये के कार्यालय का जीर्णोद्धार

इंदौर। भाजपा जब इंदौर में अपने दूसरे नए दफ्तर की आधारशिला रख चुकी है। कांग्रेस अपने लिए दफ्तर तो नहीं बना सकी लेकिन अपने किराये के दफ्तर गांधी भवन का जीर्णोद्धार कर रही है। गांधी भवन की सूरत और वास्तु बदलने के लिए काम शुरू कर दिया गया है।

अपने किराये के दफ्तर को ठीक-ठाक करने के लिए कांग्रेस के कार्यकर्ताओं और नेताओं ने आपसी सहयोग से धन जुटाया है। एक महीने में गांधी भवन नई शक्ल ले लेगा। दशकों को बाद गांधी भवन में बड़े पैमाने पर सुधार और वास्तु बदलने का कोई काम होने जा रहा है। कांग्रेस का दफ्तर गांधी भवन में विपक्षी पार्टी असल में किरायादार है। खादीवाला ट्रस्ट के इस भवन में शुरू से ही कांग्रेस का दफ्तर लगता रहा है। कार्यकर्ता और नेता लगातार कहते रहे कि कांग्रेस को अपने लिए अच्छे और आधुनिक दफ्तर की जरुरत है। इस बीच पहले विपक्ष में रही भाजपा ने अपना दफ्तर जावरा कंपाउंड में बनाया। अब जिला भाजपा के लिए दूसरा दफ्तर भी बनने जा रहा है। हालांकि कांग्रेस सत्ताधारी पार्टी से विपक्षी पार्टी में भी आई लेकिन अपने लिए दफ्तर नहीं बना सकी। कमल नाथ सरकार के आते ही फिर से सुगबुगाहट हुई लेकिन सिर्फ गांधी भवन के रंगरोगन और थोड़ी बहुत मरम्मत के साथ ही बात खत्म हो गई।

सहयोग दे रहे नेता- गांधी भवन के जीर्णोद्धार पर करीब 50 लाख रुपये खर्च किए जा रहे हैं। जर्जर से हो रहे इस भवन की गैलरियों को ठीक किया जा रहा है।शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे के अनुसार दूसरी मंजिल पर बने हाल को भी कांग्रेस के कार्यकर्ता और नेताओं के सहयोग से एयरकंडीशनर हाल में बदला जा रहा है। काम शुरू किया जा चुका है और थोड़े ही समय में पूरा भी हो जाएगा। सूत्रों के अनुसार विपक्षी पार्टी ने वास्तु के अनुसार बदलाव करवाने भी जा रहे है। पहली मंजिल पर बने सुविधाघर पर किसी ने आपत्ति ली तो उसे भी वहां से हटाया जा रहा है। दफ्तर के साथ लगे कम्प्यूटर कक्ष का विस्तार भी किया जा रहा है।

साइबर सुरक्षा एवं एआई-एमएल के क्षेत्र में युवाओं का हुआ कौशल संवर्धन

भोपाल। मध्यप्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एमपीएसईडीसी) द्वारा उद्योग साझेदार एवं एसएसआरजीएसपी के सहयोग से आयोजित तीन दिवसीय साइबर सुरक्षा एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुक्रवार को समापन हुआ। कार्यक्रम में 400 से अधिक विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान कर प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में लक्ष्मी नारायण कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी,बंसल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, ओरिएंटल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड साइंस और एआईएसईसीटी इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, भोपाल के विद्यार्थियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य साइबर सुरक्षा और एआई एवं एमएल जैसे उभरते क्षेत्रों में युवाओं के कौशल का विकास करना और उन्हें उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करना था।

समापन दिवस पर आयोजित तकनीकी सत्रों में डेटा सुरक्षा, सुरक्षित कोडिंग और साइबर खतरों की पहचान और प्रबंधन से संबंधित विषयों पर विशेषज्ञों ने जानकारी दी। डेटा सिक्योरिटी फंडामेंटल्स सत्र में डेटा सुरक्षा, गोपनीयता, डेटा गवर्नेंस एवं नियामकीय अनुपालन के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। वहीं सिक्योर कोडिंग एंड डेवलपर सिक्योरिटी प्रैक्टिसेज सत्र में सॉफ्टवेयर विकास प्रक्रिया में सुरक्षा मानकों के महत्व पर प्रकाश डाला गया। सिक्योरिटी ऑपरेशंस सेंटर (एसओसी), थ्रेट डिटेक्शन, मॉनिटरिंग एंड रिस्पॉन्स विषयक सत्र में प्रतिभागियों को आधुनिक साइबर सुरक्षा तंत्र, एसआईईएम प्लेटफॉर्म, एंडपॉइंट डिटेक्शन सिस्टम तथा वल्नरेबिलिटी स्कैनिंग उपकरणों की कार्यप्रणाली से अवगत कराया गया। साथ ही साइबर खतरों की पहचान और रोकथाम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका पर भी जानकारी साझा की गई।

नगरीय निकायों एवं पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण-2026 हेतु संशोधित कार्यक्रम जारी

इन्दौर। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरीय निकायों एवं पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण-2026 की तैयारी के लिए संशोधित कार्यक्रम जारी किया गया है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में संयुक्त कलेक्टर एवं सहायक उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने जिले के सभी संबंधित रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों एवं सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि संशोधित कार्यक्रम के अनुसार निर्धारित समय-सीमा में समस्त कार्यवाही पूर्ण करते हुए मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न कराया जाए।

नगरीय निकायों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत दावा-आपत्ति केन्द्रों पर दावा-आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि अब 15 जून 2026 अपराह्न 3 बजे तक निर्धारित की गई है। दावा-आपत्ति आवेदन पत्रों का निराकरण 25 जून तक किया जाएगा तथा निराकृत प्रकरणों की ईआरएमएस में प्रविष्टि 30 जून तक की जाएगी। इसके बाद दावा-आपत्तियों की चेकलिस्ट 3 जुलाई तक तैयार की जाएगी तथा त्रुटि सुधार उपरांत वेण्डर को चेकलिस्ट 6 जुलाईतक वापस की जाएगी। फोटोयुक्त एवं फोटोरहित अंतिम मतदाता सूची 9 जुलाई को जनरेट की जाएगी तथा फोटोरहित अंतिम मतदाता सूची को 10 जुलाई 2026 तक वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा। अंतिम फोटोयुक्त मतदाता सूची की मुद्रित प्रतियां 16 जुलाई तक उपलब्ध कराई जाएंगी। मतदाता सूची का सार्वजनिक प्रकाशन 18 जुलाई को किया जाएगा। अंतिम मतदाता सूची की डीवीडी/सीडी 20 जुलाई तक उपलब्ध कराई जाएगी, जबकि विक्रय हेतु प्रतियां 21 जुलाई तक उपलब्ध रहेंगी। सार्वजनिक प्रकाशन के प्रमाण-पत्र अपलोड करने की अंतिम तिथि 22 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है।

राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण-2026 के लिए भी द्वितीय चरण की समय-सारणी में संशोधन किया गया है। पंचायतों के लिए दावा-आपत्ति केन्द्रों पर दावा-आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि 15 जून 2026 अपराह्न 3 बजे तक निर्धारित की गई है।

दावा-आपत्तियों के निराकरण की अंतिम तिथि 25 जून तथा निराकृत प्रकरणों की ईआरएमएस में प्रविष्टि की अंतिम तिथि 30 जून निर्धारित की गई है। दावा-आपत्तियों की चेकलिस्ट 3 जुलाई तक तैयार की जाएगी। चेकलिस्ट की जांच एवं त्रुटि सुधार के बाद वेण्डर को 6 जुलाई तक वापस किया जाएगा। फोटोयुक्त एवं फोटोरहित अंतिम मतदाता सूची 9 जुलाई 2026 को जनरेट होगी तथा फोटोरहित अंतिम मतदाता सूची 10 जुलाई 2026 तक वेबसाइट पर अपलोड की जाएगी।

पंचायतों की फोटोयुक्त अंतिम मतदाता सूची की मुद्रित प्रतियां 16 जुलाई तक उपलब्ध कराई जाएंगी। ग्राम पंचायत एवं अन्य निर्धारित स्थानों पर अंतिम मतदाता सूची का सार्वजनिक प्रकाशन 18 जुलाई को किया जाएगा।

देशभर में हर साल पांच हजार करोड़ की संपत्तियों को नष्ट कर रहे दीमक और चूहे

इंदौर। मच्छर, चूहे, काकरोच, खटमल और दीमक अब केवल घरेलू परेशानी नहीं रहे, बल्कि जनस्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और करोड़ों की संपत्ति के लिए गंभीर खतरा बनते जा रहे है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार वेक्टर जनित रोगों से हर साल सात लाख से अधिक मौतें होती है।

भारत में दीमक और चूहों के कारण हर साल करीब पांच हजार करोड़ की संपत्तियों का नुकसान हो रहा है। इन्हीं खतरों के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से 6 जून विश्व कीट दिवस से जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। स्कूलों में जागरूकता सत्र आयोजित होंगे और निःशुल्क निरीक्षण और वेक्टर जनित बीमारियों से बचाव की जानकारी दी जाएगी।

इंदौर पेस्ट कंट्रोल एसोसिएशन द्वारा शहर में जून-जुलाई के दौरान सरकारी स्कूलों में जागरूकता सत्र आयोजित किए जाएंगे। इंदौर पेस्ट कंट्रोल एसोसिएशन द्वारा बताया गया कि कीट केवल असुविधा नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य के लिए बड़ा खतरा है। मच्छरों से डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियां फैलती हैं, जबकि चूहे, काकरोच और दीमक हर साल भारी आर्थिक नुकसान पहुंचाते हैं।

तेजी से विकसित हो रहे इंदौर में फूड इंडस्ट्री, वेयरहाउसिंग, होटल व्यवसाय और आवासीय क्षेत्र बढ़ने के साथ प्रोफेशनल कीट नियंत्रण अब जरूरत बन चुका है।गंभीर कीट संक्रमण की स्थिति में बिना लाइसेंस वाले रसायनों या घरेलू नुस्खों का इस्तेमाल करने से बचना चाहिए। गलत उपचार से कीटों में प्रतिरोधक क्षमता विकसित होती है और लोगों के स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ सकता है।

एसोसिएशन के आदित्य भावसार, अनिल सिंह राठौर ने बताया कि मधुमक्खियां और सांप दोनों पारिस्थितिकी तंत्र का बेहद महत्वपूर्ण हिस्सा है।इनको कभी भी नहीं मारना चाहिए।इन्हे प्रकृति का रक्षक माना जाता है।मधुमक्खियां फलों और पौधों में प्रजनन का 80 प्रतिशत से अधिक काम करती है।इन्हीं के कारण फसलों और सब्जियों की पैदावार बढ़ती है।वहीं सांप भी प्रकृतिक का रक्षण करते है। सांप चूहों, मेंढकों और अन्य हानिकारिक कीड़ों का प्राकृतिक शिकार करते हैं और फसलों को सुरक्षित करते है।

सुबह गरज-चमक के साथ बरसे बादल, दोपहर में निकली धूप, तीन दिन तक छिट-पुट वर्षा होने की संभावना

इंदौर। शहर में शुक्रवार सुबह 5.30 बजे शहर में गरज-चमक के साथ वर्षा की तेज बौछारे पड़ी। सुबह शहर में बादल छाए और डेढ़ घंटे में शहर में 15.6 मिमी वर्षा दर्ज हुई। इसके बाद बादल छाए रहे और नौ बजे बाद कुछ देर के लिए फिर वर्षा हुई। इस तरह इंदौर में शुक्रवार को 16.4 मिमी वर्षा दर्ज हुई। दोपहर बाद बादल छंटे और धूप भी निकली। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक वर्तमान में पूर्वी उत्तर प्रदेश पर एक ऊपरी हवा का चक्रवात बना हुआ है। वहीं दक्षिण पूर्व राजस्थान व उसे गुजरात पर भी एक ऊपरी हवा चक्रवात है। इस वजह से अभी अरब सागर से आ रही नमी के कारण इंदौर सहित प्रदेश के कई हिस्सों में वर्षा हो रही है। इंदौर में अगले तीन दिन तक छिट-पुट वर्षा होने की संभावना है। इस दौरान 40 से 50 किलोमीटर प्रतिघंटा की गति से हवाएं भी चलेगी। शुक्रवार को शहर में अधिकतम 36 किलोमीटर प्रतिघंटा की गति से हवाएं चली। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक तीन दिन बाद इंदौर में वर्षा की गतिविधियां कम हो जाएगी और तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी।

मुख्यमंत्री का फ्री हैंड, फिर भी इंदौर में तालाबों के अतिक्रमणों पर नहीं चल रहा बुलडोजर

इंदौर। शहर में गहराते जल संकट के बीच मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बैठक लेकर अधिकारियों को निर्देशित किया था कि तालाबों और चैनलों पर हुए सभी अतिक्रमण हटाए जाए। मुख्यमंत्री का फ्री हेड मिलने के बावजूद अब तक तालाबों के अतिक्रमणों पर प्रशासन का बुलडोजर नहीं चला है। इससे वर्षाकाल में जल संवर्धन की योजना अधूरी रह सकती है।

मानसून की दस्तक हो चुकी है, लेकिन अतिक्रमण ही चिह्नित किए जा रहे हैं, जबकि छोटा बिलावली तालाब के कैचमेंट एरिया में रेस्टोरेंट संचालन की तैयारी है और चैनल के पास दीवार बनाकर पानी के प्राकृतिक बहाव को अवरूद्ध कर दिया गया है। वहीं बिचोली मर्दाना तालाब के कैचमेंट एरिया में तालाब पर कब्जा कर दुकानें खोल कर किराये पर चढ़ा दी गई है। शहर में गहराता जल संकट प्रशासन और नगर निगम की गंभीर अनदेखी का परिणाम है, जिसने वर्षों से शहर के तालाबों को बदहाल होने के लिए छोड़ दिया। कभी शहर की जल संरचना की रीढ़ माने जाने वाले तालाब आज अतिक्रमण, उपेक्षा और लापरवाही की भेंट चढ़ रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग अब भी मूकदर्शक बने हुए हैं।

मुख्यमंत्री को स्वयं मोर्चा संभालना पड़ा- हालत यह है कि जल संकट से जूझ रही जनता को राहत दिलाने के लिए मुख्यमंत्री को स्वयं मोर्चा संभालना पड़ा। उन्होंने जल संकट की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को तालाबों के अतिक्रमण को सख्ती से हटाने के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद अब तक तालाबों के केचमेंट एरिया और केनालों से अतिक्रमण नहीं हटाए गए है। बिचोली मर्दाना, बड़ा बिलावली और छोटा बिलावली जैसे अधिकांश तालाब अब अपना प्राकृतिक स्वरूप खोते जा रहे हैं। हालात यह हैं कि जो तालाब सालभर पानी से भरे रहते थे, वे अब गर्मी शुरू होते ही सूख रहे गए।छोटा बिलावली तालाब का गहरीकरण तो शुरू कर दिया गया, लेकिन कैचमेंट एरिया में निर्माण जारी है। रेस्टोरेंट खोले जा रहे है, लेकिन प्रशासन मूक दर्शक बनकर देख रहा है। वहीं छोटा बिलावली से पिपल्यापाला तालाब में पानी ले जाने वाली चैनल के पास दीवार खड़ी कर दी गई है। तालाबों की सीमाएं लगातार सिकुड़ रही हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों को यह अवैध कब्जे नजर नहीं आ रहे।

भराव कर खोले गैरेज और दुकानें- बिचोली मर्दाना के तालाब के केचमेंट एरिया भी अतिक्रमण का शिकार हो चुका है। रिंग रोड की दूसरी तरफ पिपल्याहाना क्षेत्र की तरफ तालाब के पूरे हिस्से को गायब कर दिया गया है। यहां पर मिट्टी डालकर भराव कर दुकानें खोल कर किराये पर चढ़ा दी गई। रसुखदारों द्वारा लाखों रुपये महीना किराया लिया जा रहा है, लेकिन प्रशासन और नगर निगम को अतिक्रमण नजर नहीं आ रहा है।

तालाबों का सीमांकन कराया जा रहा है- तालाबों का सीमांकन कराया जा रहा है और इसके बाद अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाएगी। तालाबों की चैनल और कैचमेंट एरिया में किसी तरह के अतिक्रमण नहीं होने दिए जाएंगे, जहां पर चिन्हित होंगे वहां पर रिमूव्ल की कार्रवाई की जाएगी।

- शिवम वर्मा, कलेक्टर

योजनाबद्ध तरीके से हटाएंगे - बिचौली और बिलावली तालाब के आसपास और चैनलों पर अतिक्रमण की जानकारी लगी है। जल्द ही योजनाबद्ध तरीके से इन दोनों जगह अतिक्रमण हटाए जाएंगे। हमारा लक्ष्य वर्षाकाल से पहले तालाबों के अतिक्रमण हटाना है और हम इसे पूरा कर लेंगे।

- पुष्यमित्र भार्गव, महापौर इंदौर

U-18 एशिया कप में भारत को कांस्य, मध्यप्रदेश हॉकी अकादमी की चार बेटियों ने बढ़ाया मध्यप्रदेश का गौरव

भोपाल। जापान के काकामिगाहारा शहर में आयोजित महिला -18 एशिया कप 2026 में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। कांस्य पदक मुकाबले में भारत ने कोरिया को 3-0 से शिकस्त देकर टूर्नामेंट का समापन जीत के साथ किया।

भारतीय टीम की इस उल्लेखनीय सफलता में मध्यप्रदेश हॉकी अकादमी की चार प्रतिभाशाली खिलाड़ियों- महक परिहार, स्नेहा दावड़े, नम्मी गीताश्री और नौशीन नाज़- ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट के दौरान उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए भारतीय टीम को पदक दिलाने में अहम योगदान दिया।

इस प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश की होनहार खिलाड़ी नौशीन नाज़ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारतीय टीम के लिए 12 गोल दागे और टूर्नामेंट की टॉप स्कोरर बनने का गौरव हासिल किया। मध्यप्रदेश हॉकी अकादमी की इस प्रतिभाशाली खिलाड़ी ने अपनी आक्रामक खेल शैली और गोल करने की क्षमता से अंतरराष्ट्रीय मंच पर सभी का ध्यान आकर्षित किया। उनकी यह उपलब्धि प्रदेश के युवा खिलाड़ियों, विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

29 मई से 6 जून 2026 तक आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में एशिया की शीर्ष महिला अंडर-18 हॉकी टीमों ने भाग लिया। भारतीय टीम ने पूरे टूर्नामेंट में अनुशासित और आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया। कांस्य पदक मुकाबले में कोरिया जैसी मजबूत टीम के खिलाफ 3-0 की जीत ने भारतीय खिलाड़ियों के आत्मविश्वास और कौशल को दर्शाया।

मध्यप्रदेश हॉकी अकादमी की चार खिलाड़ियों का अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करना प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। वहीं नौशीन नाज़ का टूर्नामेंट की सर्वाधिक गोल करने वाली खिलाड़ी बनना इस उपलब्धि को और भी विशेष बनाता है। इन खिलाड़ियों की सफलता ने एक बार फिर साबित किया है कि मध्यप्रदेश खेल प्रतिभाओं को निखारने और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार करने में अग्रणी राज्यों में शामिल है।

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने भारतीय महिला अंडर-18 हॉकी टीम को कांस्य पदक जीतने पर बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि देश और मध्यप्रदेश दोनों के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने विशेष रूप से मध्यप्रदेश हॉकी अकादमी की खिलाड़ियों महक परिहार, स्नेहा दावड़े, नम्मी गीताश्री एवं नौशीन नाज़ को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इन बेटियों ने अपनी प्रतिभा, अनुशासन और समर्पण से प्रदेश का मान बढ़ाया है।

श्री सारंग ने नौशीन नाज़ के टूर्नामेंट की टॉप स्कोरर बनने पर विशेष प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी यह उपलब्धि प्रदेश की उभरती खेल प्रतिभाओं के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ये खिलाड़ी भविष्य में भी भारत और मध्यप्रदेश को गौरवान्वित करती रहेंगी।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश ने भारतीय टीम तथा सभी खिलाड़ियों को इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

U-18 एशिया कप में भारत बना चैंपियन, एमपी हॉकी अकादमी के छह खिलाड़ियों ने दिलाया स्वर्ण

भोपाल। जापान के काकामिगाहारा शहर में आयोजित पुरुष -18 एशिया कप 2026 में भारतीय हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। पूरे टूर्नामेंट में दमदार खेल का प्रदर्शन करने वाली भारतीय टीम ने फाइनल मुकाबले में जीत दर्ज कर एशिया का खिताब हासिल किया और देश का गौरव बढ़ाया।

भारतीय टीम की इस ऐतिहासिक सफलता में पुरुष हॉकी अकादमी के छह खिलाड़ियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारतीय टीम का हिस्सा रहे खिलाड़ियों में आयुष रजक (गोलकीपर), अंश बहुत्रा, करण गौतम, अवि माणिकपुरी, सिद्धार्थ बेन एवं गाज़ी खान शामिल हैं। इन खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए भारत को स्वर्ण पदक दिलाने में अहम योगदान दिया।

सेमीफाइनल में पाकिस्तान को हराकर फाइनल में बनाई जगह- भारतीय टीम ने स्वर्ण पदक की राह में अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को सेमीफाइनल में पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। इस शानदार जीत ने खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया और टीम ने उसी आत्मविश्वास के साथ फाइनल मुकाबले में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया।

एशिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों के बीच भारत का दबदबा- 29 मई से 6 जून 2026 तक जापान के काकामिगाहारा शहर में आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में एशिया की शीर्ष अंडर-18 हॉकी टीमों ने भाग लिया। भारतीय टीम ने पूरे टूर्नामेंट में अनुशासित, तेज और आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए प्रतिद्वंद्वी टीमों पर अपना दबदबा बनाए रखा। फाइनल में शानदार प्रदर्शन के साथ स्वर्ण पदक जीतकर भारत ने एशियाई हॉकी में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई।

मध्यप्रदेश के लिए गौरव का क्षण- पुरुष हॉकी अकादमी के छह खिलाड़ियों का भारतीय टीम में चयन और स्वर्ण पदक विजेता दल का हिस्सा बनना मध्यप्रदेश के लिए गर्व का विषय है। यह उपलब्धि प्रदेश की खेल अकादमियों में दिए जा रहे उच्च स्तरीय प्रशिक्षण और खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत का परिणाम है। इन खिलाड़ियों की सफलता ने एक बार फिर सिद्ध किया है कि मध्यप्रदेश राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के उत्कृष्ट खिलाड़ी तैयार करने में अग्रणी राज्यों में शामिल है।

खेल मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने दी बधाई- खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने भारतीय टीम को स्वर्ण पदक जीतने पर हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पुरुष हॉकी अकादमी के खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश का मान बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की यह उपलब्धि मध्यप्रदेश की खेल प्रतिभा, समर्पण और उत्कृष्ट प्रशिक्षण व्यवस्था का प्रमाण है।

श्री सारंग ने सभी खिलाड़ियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे आने वाले वर्षों में भी देश के लिए नई उपलब्धियां हासिल कर भारत और मध्यप्रदेश का नाम रोशन करेंगे।

लंदन ओलंपिक 1948 में भारतीय फुटबॉल टीम ने जूते क्यों नहीं पहने थे? कप्तान ने दिया था जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। फीफा विश्व कप 2026 का काउंड डाउन जारी है। 11 जून (भारतीय समयानुसार 12 जून) 2026 से फुटबॉल के इस महाकुंभ की शुरुआत होगी और फाइनल 19 जुलाई को खेला जाएगा। टूर्नामेंट की मेजबानी संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको संयुक्त रूप से कर रहे हैं।

फीफा विश्व कप 2026 में 48 टीमों के बीच 104 मैच खेले जाएंगे। इन टीमों को 4-4 के 12 ग्रुप में बांटा गया है। 11 जून से 27 जून तक ग्रुप स्टेज के मैच होंगे। 28 जून से 3 जुलाई तक राउंड ऑफ 32, 4 से 7 जुलाई तक राउंड ऑफ 16 के मुकाबले खेले जाएंगे। क्वार्टर फाइनल 9 से 11 जुलाई तक होगा। इसके बाद सेमीफाइनल 14 और 15 जुलाई, तीसरे स्थान का मैच 18 जुलाई को होगा।

बिना जूतों के उतरी भारतीय टीम- आइए इस बीच आपको भारतीय मेंस फुटबॉल टीम के एक ब्लैक एंड व्हाइट दौर में ले चलते हैं। भारतीय फुटबॉल टीम ने 1948 के लंदन ओलंपिक में डेब्यू किया। यह टीम फ्रांस के खिलाफ मैच के लिए नंगे पैर मैदान पर उतरी थी। ऐसे में कई बार सोशल मीडिया पर दावे किए जाते हैं कि प्लेयर्स के पास जूते खरीदने के पैसे नहीं थे।

सरकार से मिलने वाली आर्थिक सहायता भी बहुत कम थी। इस मैच में भारत को 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था। स्वतंत्र भारत की ओर से पहला इंटरनेशनल फुटबॉल गोल सरंगापानी रमन ने इसी मैच में किया था। तब भारत के कोच बलेदास चटर्जी थे।

अपनी मर्जी से नहीं पहने जूते- ओलंपिक की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित ओलंपिक में भारतीय फुटबॉल के बारे में एक डिटेल्ड ब्रीफिंग में यह उल्लेख किया गया है कि 31 जुलाई, 1948 को आयोजित मैच के दौरान भारतीय टीम के 11 में से 8 प्लेयर्स ने अपनी मर्जी से जूते नहीं पहने थे।

हम भारत में फुटबॉल खेलते हैं- भारतीय टीम के तब के कप्तान तालीमेरेन एओ ने अपनी टीम के नंगे पैर खेलने के बारे में कहा, हम भारत में फुटबॉल खेलते हैं, जबकि आप लोग बूटबॉल खेलते हैं। माना जाता है कि 8 खिलाड़ियों ने पूर्वी लंदन के क्रिकलफील्ड स्टेडियम के गीले और फिसलन भरे मैदान पर बिना जूते के खेलना पसंद किया। 1953 तक फीफा जैसे कई इंटरनेशनल टूर्नामेंटों में मैचों के दौरान जूते पहनने के बारे में कोई नियम नहीं थे।

भारतीय फुटबॉल का गोल्डन एज- भारत ने इसके बाद लगातार तीन ओलंपिक खेले। इनमें हेलसिंकी 1952, मेलबर्न 1956 और रोम 1960 शामिल हैं।

मेलबर्न में भारतीय फुटबॉल टीम ने इतिहास रचते हुए सेमीफाइनल का टिकट कटाया और सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली एशियाई टीम बनी।

इंडिया ने क्वार्टरफाइनल में मेजबान ऑस्ट्रेलिया को शिकस्त दी थी। इसके बाद सेमीफाइनल में भारत को यूगोस्लाविया से हार मिली।

साथ ही कांस्य पदक मैच में बुल्गारिया से हारने के कारण सैमार बनर्जी की अगुवाई वाली भारतीय टीम मेडल जीतने से चूक गई।

1948 से 1960 के बीच का दौर भारतीय फुटबॉल के स्वर्ण युग के रूप में माना जाता है।

ग्रीन कॉफी पीने से कैसे होता है आपका वेट लॉस? जानें शरीर पर इसका असर

(एजेंसी)। आप दिन में एक या दो कप ही कॉफी पीते हैं, तो यह सामान्य बात है लेकिन 5-6 बार कॉफी का सेवन करने से आपकी सेहत खराब हो सकती है। ऐसे में आप ग्रीन कॉफी का सेवन कर सकते हैं। इसे अधिक मात्रा में पीने से आपकी सेहत पर असर नहीं पड़ता, क्योंकि इस ग्रीन कॉफी में कैफीन की मात्रा न के बराबर होती है। ग्रीन कॉफी में कैफीन की मात्रा न के बराबर है। इसका सेवन आप अधिक से अधिक मात्रा में कर सकते हैं। इससे आप 24 घंटे चुस्त, मस्त व स्वस्थ रहते हैं।

ग्रीन कॉफी के फायदे

ग्रीन कॉफी बीन्स में क्रोनॉलॉजिकल एसिड होता है। इस तरह की कॉफी का सेवन करने से आपका मेटाबॉलिज्म सही रहता है। मेटाबॉलिज्म रेट सही मात्रा में होने से आप में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है। इससे आप जो भी काम करते हैं उसमें आपका मन सही रूप से लगता है। ग्रीन कॉफी बीन्स में भरपूर विटामिन और खनिज पाया जाता है। यह हमारे शरीर में पोषक तत्वों के स्तर को बनाए रखने में मदद करता है।

इससे आपका वजन नियंत्रण में रहता है। ग्रीन कॉफी का सेवन करने से आप अपने वजन को बढ़ने से रोक सकते हैं। ग्रीन कॉफी बीन्स एंटीऑक्सिडेंट्स से समृद्ध है। शरीर में आने वाली हर हानिकारक प्रभाव से यह आपको दूर व स्वस्थ रखता है। ग्रीन बीन्स 100 प्रतिशत भुने हुए और स्वस्थ्य है।

सेमीफाइनल में भारत ने पाकिस्तान को रौंदा, एशिया कप के फाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंडर-18 मेंस हॉकी टीम ने शुक्रवार को अंडर-18 मेंस एशिया कप 2026 के सेमीफाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 5-3 से हराया। अंतिम क्वार्टर तक 2-3 से पिछड़ने के बाद भारत ने आखिरी मिनटों में बेहतरीन आक्रमण का प्रदर्शन करते हुए फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली।

12वें मिनट में दागा गोल- मैच की शुरुआत शांत और तनावपूर्ण रही, क्योंकि दोनों टीमें मिडफील्ड पर नियंत्रण के लिए संघर्ष कर रही थीं। भारत ने 12वें मिनट में लय पकड़ी, जब अपने हाफ से शानदार रन बनाकर पाकिस्तान की रक्षात्मक पंक्ति से गलती करवाई और भारत को पेनल्टी मिली। फॉरवर्ड आशीष तानी पूर्ति (12वें मिनट) ने पेनल्टी ली और उसे शांति से गोल में बदलकर भारत को 1-0 की शुरुआती बढ़त दिलाई, जिसे उन्होंने पहले क्वार्टर के अंत तक बनाए रखा।

दूसरे क्वार्टर में पाकिस्तान ने आक्रामक खेल दिखाया और 16वें मिनट में अपना पहला पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। भारतीय गोलकीपर आयुष राजक और डिफेंडर अंश बहूत्रा ने अहमद उजैर के जोरदार ड्रैगफ्लिक को शानदार ढंग से बचा लिया। पाकिस्तान ने दबाव बनाए रखा और 27वें मिनट में बराबरी का गोल दाग दिया। अदील ने एक पास को इंटरसेप्ट किया, डिफेंस को भेदते हुए फील्ड गोल दागा और हाफ टाइम तक स्कोर 1-1 कर दिया।

तीसरे क्वार्टर में दोनों टीमों की ओर से जबरदस्त खेल देखने को मिला। भारत ने 35वें मिनट में शाहरुख अली (35वें मिनट) के तेज पास का फायदा उठाते हुए गेंद को नेट में डालकर फिर से बढ़त बना ली। हालांकि, यह खुशी ज्यादा देर तक नहीं टिकी, क्योंकि पाकिस्तान ने सिर्फ दो मिनट बाद ही 37वें मिनट में मोहम्मद फरहान असलम के फील्ड गोल से बराबरी कर ली। इसके बाद पाकिस्तान ने 42वें मिनट में पहली बार बढ़त हासिल की, जब उजैर अहमद कुरैशी ने पेनल्टी कॉर्नर को सटीक ड्रैगफ्लिक से गोल में बदल दिया, जिससे भारत तीसरे क्वार्टर के अंत तक 2-3 से पीछे हो गया।

भुलक्कड़ बना सकता है बुढ़ापे में ज्यादा आराम,जानें क्या कहते हैं स्वास्थ्य विशेषज्ञ

(एजेंसी)। अक्सर अधूरी नींद के नुकसानों के प्रति लोगों का आगाह किया जाता है। मगर कम नींद के नुकसानों से बचने के चक्कर में ज्यादा सोने की आदत भी कम नुकसानदेह नहीं है। खासतौर से बुजुर्गावस्था में ज्यादा नींद लेने पर भी जोखिम है। एक हालिया अध्ययन में पाया गया है कि बुढ़ापे में दिमाग को सेहतमंद रखने के लिए हर रात सात से आठ घंटे की नींद पर्याप्त है। जो लोग नियमित रूप से छह घंटे से भी कम वक्त सो पाते हैं, उनकी याददाश्त प्रभावित होने लगती है। ऐसे लोगों के मस्तिष्क में डिमेंशिया से जुड़े एक खतरनाक प्लेग स्तर बढ़ने लगता है। मगर हैरानी की बात यह है कि जो लोग बहुत अधिक सोते हैं, उनमें अमाइलॉइड बीटा के असामान्य स्तर न होने के बावजूद भी याददाश्त खराब देखी गई। याददाश्त और विचारशीलता संबंधी परीक्षण में उनका प्रदर्शन खराब रहा।

ज्यादा नींद से अवसाद का जोखिम

स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और जापान के करीब 4,500 लोगों पर अध्ययन किया। सभी की औसत उम्र करीब 71 साल थी। विशेषज्ञों का कहना है कि यह अमाइलॉइड प्रोटीन के निर्माण और याददाश्त में गिरावट के बीच संबंध पर मौजूदा शोध पर आधारित है। विशेषज्ञों का कहना है कि बुजुर्गावस्था में नियमित रूप से बहुत देर तक सोना अवसाद जैसे लक्षणों की वजह बन सकता है। सर्वे से पता चलता है कि लगभग तीन में से एक ब्रिटेन और अमेरिकी हर हफ्ते पर्याप्त नींद नहीं लेते हैं।

ज्यादा सोने वालों का अधिक बीएमआई

खराब नींद को हृदय रोग, मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी कई स्थितियों से जोड़ा गया है। एनएचएस का कहना है कि अधिकांश वयस्कों को छह से नौ घंटे के बीच नींद की जरूरत होती है। मगर इसके साथ ही उन्होंने एक ही समय पर रोजाना उठने की आदत डालने का सुझाव भी दिया है।

अध्ययन में ऐसे लोग शामिल थे जो स्वस्थ थे और याददाश्त भी सही थी। प्रतिभागियों से उनकी नींद के घंटे पूछे गए और याददाश्त संबंधी टेस्ट के जरिए उनकी मस्तिष्क क्षमता का आंकलना किया गया। मेडिकल स्कैन का उपयोग करके उनमें अमाइलॉइड बीटा प्रोटीन के स्तर को मापा गया।

एमबापे बहुत बड़े फुटबॉलर हैं, लेकिन अकेले कुछ नहीं कर पाएंगे- एर्लिंग हालैंड

नई दिल्ली (एजेंसी)। नार्वे के स्ट्राइकर एर्लिंग हालैंड विश्व कप के लिए बहुत जोश में हैं। पिता के पदचिंहों पर चलने का मौका मिलना उनके लिए सौभाग्य की बात है। हालैंड एक फैन के रूप में विश्व कप में फ्रांस के काइलियन एमबापे के साथ होने वाली टक्कर को लेकर बहुत उत्साहित हैं। लेकिन एक फुटबॉलर के रूप में उनका पूरा ध्यान अपनी टीम को आगे ले जाने पर है। प्रस्तुत हैं फीफा विश्व कप को लेकर एर्लिंग हालैंड से हुई बातचीत के प्रमुख अंश-

आपका पहला विश्व कप बस शुरू होने वाला है। आप यहां खेलने के लिए कितने उत्साहित हैं- मैं अपने उत्साह का वर्णन नहीं कर सकता। ये सच में बहुत बड़ी बात है। मैंने कभी इसका अनुभव नहीं किया। जब आखिरी बार नार्वे विश्व कप खेला था (साल 1998) तब मैं पैदा भी नहीं हुआ था। यहां तक कि जब हमने आखिरी बार कोई बड़ा टूर्नामेंट (यूरो कप 2000) खेला था तब भी मेरा जन्म नहीं हुआ था।

इसलिए, ये पहली बार होगा जब मैं अपने देश के लोगों के साथ विश्व कप का आनंद उठाऊंगा। ये बहुत बड़ी बात है। जब मैंने पेशेवर तौर पर फुटबॉल खेलना शुरू किया तो मेरा सपना था कि अपने देश को फीफा विश्व कप में भाग लेते हुए देखूं। ये मेरे लिए एक सपने के सच होने के जैसा है।

अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने सेमीफाइनल में जाकुब मेंसिक को हराया, फाइनल में कोबोली से होगी खिताबी जंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव अपने पहले ग्रैंड स्लैम खिताब से अब सिर्फ एक जीत दूर हैं। उन्होंने शुक्रवार को 26वीं वरीयता प्राप्त जाकुब मेंसिक को 7-5, 6-2, 3-6, 6-3 से हराकर एक बार फिर फ्रेंच ओपन के फाइनल में प्रवेश कर लिया। 29 वर्षीय ज्वेरेव इससे पहले तीन ग्रैंड स्लैम फाइनल हार चुके हैं, जिनमें दो साल पहले फ्रेंच ओपन का फाइनल भी शामिल है।

पेरिस में इस बार उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। अब रविवार को फाइनल में उनका सामना 10वीं वरीयता प्राप्त फ्लेवियो कोबोली से होगा। दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में कोबोली का सामना इटली के ही खिलाड़ी मत्तेओ अर्नाल्डी से होना था, लेकिन अर्नाल्डी बीमार होने की वजह से मैच से हट गए और कोबोली फ्रेंच ओपन के फाइनल में पहुंच गए।

कोर्ट फिलिप शैट्रियर पर खेले गए मुकाबले का पहला सेट बेहद कड़ा रहा। 11वें गेम में ज्वेरेव ने बैकहैंड क्रॉसकोर्ट विनर लगाकर ब्रेक प्वाइंट हासिल किया और फिर एक शानदार शॉट के जरिए बढ़त बना ली, जिसे मेंसिक नेट में मार बैठे। ज्वेरेव ने एक दमदार ऐस के साथ पहला सेट अपने नाम किया।

दूसरे सेट की शुरुआत में ही उन्होंने सर्विस ब्रेक हासिल कर लिया, जबकि मेंसिक का खेल कुछ समय के लिए बिखर गया। एक ब्रेक के दौरान मेंसिक सिर पर तौलिया रखे बैठे नजर आए। वापसी के बाद उनकी मुश्किलें और बढ़ गईं, क्योंकि ज्वेरेव ने अपना स्तर और ऊंचा कर लिया तथा डबल ब्रेक हासिल करते हुए मैच में 2-0 की बढ़त बना ली। हालांकि गर्दन की समस्या के कारण लंबा मेडिकल टाइमआउट लेने के बाद मेंसिक ने जोरदार वापसी की।

तीसरे सेट में हासिल की जीत- उन्होंने अपनी तेज सर्विस और शानदार ड्रॉप शॉट्स की मदद से 4-2 की बढ़त बनाई और तीसरा सेट जीत लिया लेकिन चौथे सेट में ज्वेरेव ने कोई गलती नहीं की। उन्होंने दमदार खेल दिखाते हुए सेट और मैच दोनों अपने नाम कर लिए, तथा लगातार दूसरे फ्रेंच ओपन फाइनल में जगह पक्की कर ली।

कम या ज्यादा, क्या और कैसे खाते हैं इन सबका है आपके मोटापे से सीधा संबंध, जानें विशेषज्ञों के सुझाव

(एजेंसी)। जब बात आहार और स्वास्थ्य की आती है, तो सबसे पहले इस बात पर ध्यान दिया जाता है कि आप क्या और कितना खा रहे हैं। आप जितनी कैलोरी खर्च कर रहे हैं उससे कम कैलोरी युक्त भोजन वजन कम करने की कुंजी है तो वहीं एक अन्य महत्वपूर्ण कारक यह है कि आप कैसे खाते हैं- जैसे आप एक दिन में कितनी बार खाते हैं। हाल के वर्षों में, भोजन के तौर-तरीकों पर बहुत ध्यान दिया गया है। कुछ आहार विशेषज्ञों का मानना है कि वजन कम करने की कुंजी दिन में केवल एक बार भोजन करना है, जबकि कई बार सुझाव दिया जाता है कि लोगों को एक दिन में छह बार थोड़ा-थोड़ा भोजन करना चाहिये। हम में से कई लोग प्रतिदिन तीन बार भोजन करते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि इनमें से क्या सही है

कई आहार योजनाएं दिन में तीन बार भोजन की व्यवस्था को अपनाती हैं। इनमें सुबह के समय नाश्ता, दोपहर में भोजन और फिर रात में भोजन शामिल है। हालांकि इस आहार नियम का पालन करने वालों को बीच-बीच में थोड़ी भूख लग सकती है। इस भूख को मिटाने के लिये वह हल्का-फुल्का नाश्ता करते हैं, जिसके चलते उनके दिन में अधिक भोजन करने की संभावना बढ़ जाती है। भोजन अंतराल के दौरान नाश्ते को भूख से बचने के तरीके के रूप में देखा जाता है।

लेकिन कुछ शुरुआती अध्ययनों से पता चला है कि एक दिन में अधिक भोजन करने से शरीर का वजन कम होता है। इस अध्ययन में कम खानपान यानी निब्लिंग (रोजाना करीब 17 बार कम मात्रा में आहार लेना) और अधिक खानपान यानी गोर्जिंग (दिन में दो से तीन बार खाना) के बीच अंतर की पड़ताल की गई।

ब्रोकोली, आंवला और पालक सहित ये 11 सुपरफूड्स इम्यून सिस्टम को बूस्ट करने के लिए अद्भुत हैं

(एजेंसी)। शरीर की बीमारियों से लड़ने की क्षमता को बूस्ट करना सबसे आसान है अगर आप अपने खानपान में थोड़ा सा बदलाव करते हैं. कुछ इम्यूनिटी बढ़ाने वाले फूड्स का सेवन कर आप आसानी से मजबूत इम्यून सिस्टम पा सकते हैं. एक मजबूत इम्यून सिस्टम का निर्माण एक या दो दिन की प्रक्रिया नहीं है. इम्यूनिटी समय के साथ बनती है. आपके खान-पान की आदतें और आपके द्वारा चुनी गई लाइफस्टाइल आपकी प्रतिरोधक क्षमता को निर्धारित करती है. भोजन का चुनाव, शारीरिक गतिविधि का स्तर, नींद की गुणवत्ता, भावनात्मक स्वच्छता - ये सभी आपकी इम्यूनिटी को बना या बिगाड़ सकते हैं. इम्यूनिटी को बढ़ाने में विटामिन और खनिजों की भूमिका बहुत बड़ी है. यहां कुछ विटामिन से भरपूर फूड्स के बारे में बताया गया है जो इम्यून सिस्टम मजबूत करने में मदद कर सकते हैं।

ब्लूबेरी। ब्लूबेरी में एक प्रकार का फ्लेवोनोइड होता है जिसे एंथोसायनिन कहा जाता है, जिसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं जो किसी व्यक्ति के इम्यून सिस्टम का बढ़ावा देने में मदद कर सकते हैं. आप इसे अपनी डाइट में शामिल कर काफी फायदा ले सकते हैं.

आंवला। आंवला विटामिन सी से भरपूर होने के लिए जाना जाता है, जो एक शक्तिशाली एंटीऑक्सिडेंट और इम्यूनिटी बढ़ाने वाला विटामिन है।

विटामिन सी एंटीबॉडी प्रतिक्रिया और सफेद रक्त कोशिका के कार्य को बढ़ाने में मदद करता है. साथ ही एंटीऑक्सिडेंट में समृद्ध होने के कारण, आंवला संक्रमण के कारण उत्पन्न होने वाले ऑक्सीडेटिव तनाव और मुक्त कणों को मैनेज करने में मदद कर सकता है।

पेट की चर्बी घटाने के लिए चाय की जगह पिएं ये ड्रिंक्स

(एजेंसी)। चाय पीने के शौकीनों की कमी नहीं है। भारत में ज्यादातर घरों में सुबह की शुरुआत चाय से ही होती है। वहीं, चाय के दीवाने दिन में 3-4 कप तक चाय पी जाते हैं लेकिन क्या आप जानते हैं कि चाय पीने के कई फायदों के साथ सबसे बड़ा घाटा यह है कि चाय पीने से पेट की चर्बी सबसे ज्यादा बढ़ती है। साथ ही ज्यादा चाय पीने से आप धीरे-धीरे मोटापे की ओर अग्रसर होने लगते हैं। ऐसे में अगर आप फिटनेस पर ध्यान देना चाहते हैं, तो कुछ दिन चाय पीना छोड़कर जरूर देखें। इससे न सिर्फ आपके वजन में कमी आएगी बल्कि इससे पेट की चर्बी भी कम होगी। आप चाय की जगह पर कुछ और हेल्दी ड्रिंक्स ट्राई कर सकते हैं-

शहद और नींबू

इसके सेवन से आपको वजन कम करने में मदद मिलती है। साथ ही यह आपके शरीर को स्वस्थ रखता है। लेकिन डायबिटीज रोगियों को शहद से बचना चाहिए।

तुलसी और अदरक का काढ़ा

इसके सेवन से आपके गले के संक्रमण दूर होते हैं और आपका गला साफ होता है। ये काढ़ा दमा के रोगियों के लिए भी उपयोगी है।

दालचीनी या सौंफ का पानी

ये दोनों एंटीऑक्सिडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर होते हैं। ये आपके शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने का काम करते हैं और इससे आपका शरीर भी स्वस्थ रखता है।

संतरे का रस

संतरा विटामिन सी का एक बहुत अच्छा स्रोत होता है और साथ ही ये इम्यूनिटी बढ़ाने में भी मदद करता है।

मेथी का पानी

मेथी के बीजों का पानी आपके वजन को कम करता है। इसके साथ ही यह ब्लड शुगर को भी कंट्रोल करने में मददगार होता है।

जीरा पानी

जीरे में आयरन की भरपूर मात्रा पायी जाती है और साथ ही ये ब्लड कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने में भी मदद करता है।

अमेरिका में ग्रीन कार्ड के नियमों पर ट्रंप प्रशासन का यू टर्न, CEOs के दबाव में झुके राष्ट्रपति

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियां उनके ही देश के बिजनेस के लिए भारी पड़ रही हैं। हाल ही में ट्रंप प्रशासन ने घोषणा की थी कि ज्यादातर ग्रीन कार्ड आवेदकों को अपने देश लौटना होगा। स्ष्टद्धस् की घोषणा के बाद ही अमेरिका के बिजनेस लीडर्स ने अधिकारियों को निजी तौर पर चेतावनी कि ऐसी नीति से उनके वर्कफोर्स को नुकसान पहुंचेगा।

USCIS ने कहा था कि परमानेंट स्टेटस के लिए आवेदन करने वालों को अपने देश से ही आवेदन करना चाहिए। हालांकि, उन्होंने इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी कि इससे कौन प्रभावित होगा, जिससे लाखों लोग अनिश्चितता की स्थिति में आ गए।

रिपोर्ट के अनुसार, घोषणा के बाद व्हाइट हाउस और होमलैंड सिक्योरिटी, लेबर और स्टेट विभागों के साथ बिजनेस, इंडस्ट्री ग्रुप और ष्टश्वह्र के बीच कॉल और ईमेल के जरिए बातचीत हुई। टेक इंडस्ट्री और स चैंबर ऑफ़ कॉमर्स ने व्हाइट हाउस के सामने ये मुद्दे उठाए।

प्रतिभाएं खोने का डर- टेक दिग्गजों और उद्योगपतियों का तर्क था कि कुशल प्रवासियों को जबरन वापस भेजने से अमेरिकी तकनीकी उद्योग और नवाचार को अपूरणीय क्षति पहुंचेगी।

बिजनेस लीडर्स और इमीग्रेशन विशेषज्ञों ने आगाह किया कि इस नियम के कारण कंपनियों को अपनी सबसे बेहतरीन प्रतिभाओं से हाथ धोना पड़ सकता है, जिससे न केवल आर्थिक अस्थिरता पैदा होगी, बल्कि वैश्विक बाजार में अमेरिका की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता भी कमजोर होगी।

नरम हुआ ट्रंप का रुख- दिग्गज कंपनियों के चौतरफा दबाव, कानूनी विशेषज्ञों की आपत्तियों और सांसदों के कड़े विरोध के बाद आखिरकार अमेरिकी प्रशासन को झुकना पड़ा। पिछले हफ़्ते, ट्रंप प्रशासन ने बिजनेस लीडर्स को भरोसा दिलाया कि ज़्यादातर वर्क वीजा पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

USCIS ने पत्रकारों को बताया कि परमानेंट रेजिडेंसी चाहने वाले ज़्यादातर विदेशी विजिटर्स को अपने देश वापस नहीं जाना पड़ेगा, लेकिन अधिकारियों की तरफ से अभी तक कोई औपचारिक घोषणा नहीं हुई है।

ईरानी एलपीजी नेटवर्क पर अमेरिका का शिकंजा, बांग्लादेश को आपूर्ति के आरोप में प्रतिबंध

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका ने ईरान के एक कथित एलपीजी (तरलीकृत पेट्रोलियम गैस) नेटवर्क पर व्यापक प्रतिबंध लगाए हैं। अमेरिकी प्रशासन का आरोप है कि यह नेटवर्क ईरानी मूल की एलपीजी को ओमानी ईंधन के रूप में पेश कर बांग्लादेश समेत दक्षिण और पूर्वी एशिया के देशों तक पहुंचा रहा था। अमेरिकी वित्त मंत्रालय के विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय (ओएफएसी) ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि प्रतिबंधों का दायरा उन कंपनियों, जहाजों और व्यक्तियों तक बढ़ाया गया है, जो ईरान पर लगे अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों को दरकिनार करने में मदद कर रहे थे।

अमेरिका के अनुसार, इस नेटवर्क ने संयुक्त अरब अमीरात और चीन में स्थापित फ्रंट कंपनियों, विदेशी बैंक खातों तथा ईरान के तथाकथित शैडो फ्लीट से जुड़े जहाजों का इस्तेमाल कर एलपीजी की वास्तविक उत्पत्ति छिपाई और प्रतिबंधों से बचने की कोशिश की।

इसके साथ ही अमेरिका ने एक ईरानी विदेशी मुद्रा विनिमय कंपनी पर भी प्रतिबंध लगाया है। आरोप है कि इस कंपनी ने प्रतिबंधित ईरानी बैंकों की ओर से सैकड़ों करोड़ डॉलर के वित्तीय लेन-देन को अंजाम देने में मदद की। वाशिंगटन का कहना है कि इन कदमों का उद्देश्य ईरान की उन वित्तीय और व्यापारिक गतिविधियों पर रोक लगाना है, जिनके जरिए वह अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों को दरकिनार कर राजस्व अर्जित कर रहा है। अमेरिकी प्रशासन ने संकेत दिया है कि ईरान से जुड़े ऐसे नेटवर्कों के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

भारतीयों के अमेरिकन ड्रीम पर संकट, स संसद में H-1B से ग्रीन कार्ड का रास्ता बंद करने वाला बिल पेश

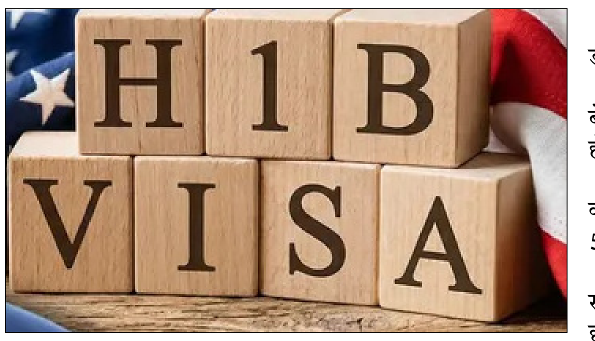

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में रह रहे लाखों भारतीय आईटी प्रोफेशनल्स और अमेरिकन ड्रीम का सपना देख रहे टेक दिग्गजों के लिए एक बेहद चिंताजनक खबर है। अमेरिकी संसद में एक नया आव्रजन (इमिग्रेशन) विधेयक पेश किया गया है। इस नए बिल के तहत अगर कानून बना तो H-1B वीजा से ग्रीन कार्ड (स्थायी निवास) पाने का पारंपरिक रास्ता हमेशा के लिए बंद हो सकता है। रिपब्लिकन सांसद चिप रॉय द्वारा पेश किए गए अमेरिकन व्हाइट-कॉलर वर्कर जॉब्स एक्ट ऑफ 2026 नामक इस बिल में H-1B वीज़ा की अवधि को भी 6 साल से घटाकर महज 2 साल करने और वीज़ा धारकों के वेतन के नियमों को बेहद कड़ा करने का प्रस्ताव रखा गया है। यह बिल भारतीय आईटी पेशेवरों और अमेरिका में काम कर रहे हजारों विदेशी कर्मचारियों के लिए बड़ी चिंता का कारण बन सकता है।

इस बिल का सबसे विवादित प्रावधान H-1B वीजा के डुअल इंटेंट नियम को समाप्त करना है। अभी तक H-1B वीजद्ध धारक अमेरिका में नौकरी करते हुए ग्रीन कार्ड के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसे ही डुअल इंटेंट कहा जाता है।

नए प्रस्ताव के अनुसार, H-1B आवेदकों को यह साबित करना होगा कि उनका स्थायी निवास अमेरिका के बाहर है और वे उसे छोड़ने का इरादा नहीं रखते। इमिग्रेशन विशेषज्ञों का कहना है कि यदि यह प्रावधान लागू हुआ, तो H-1B से ग्रीन कार्ड पाने का पारंपरिक रास्ता लगभग असंभव हो जाएगा।

H-1B कर्मचारियों को 75वें प्रतिशत के अनुसार उच्च वेतन देना होगा।

कंपनियों को पहले यह साबित करना होगा कि योग्य अमेरिकी कर्मचारी उपलब्ध नहीं हैं।

नौकरी के विज्ञापन सरकारी प्लेटफॉर्म पर डालने होंगे।

यदि कोई अमेरिकी उम्मीदवार समान या बेहतर योग्य है, तो उसे प्राथमिकता देनी होगी।

किसी कंपनी में गैर-आप्रवासी कर्मचारियों की संख्या कुल कार्यबल के 5% से अधिक नहीं हो सकेगी।

H-1B आवेदन से एक वर्ष पहले तक संबंधित पदों पर अमेरिकी कर्मचारियों की छंटनी नहीं की जा सकेगी।

भारतीयों पर सबसे अधिक असर- भारत H-1B वीजा का सबसे बड़ा लाभार्थी देश है। अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा के अनुसार, वित्त वर्ष 2024 में लगभग 4 लाख नए H-1B वीजा स्वीकृत हुए, जिनमें से करीब 2.83 लाख भारतीय नागरिकों को मिले। यह कुल स्वीकृत वीजा का लगभग 71% है।

इसके अलावा, रोजगार आधारित ग्रीन कार्ड श्रेणियों में 12.6 लाख से अधिक भारतीय, अपने परिवारों सहित, प्रतीक्षा सूची में हैं। ऐसे में यह बिल लागू होने पर हजारों भारतीयों के अमेरिकन ड्रीम को बड़ा झटका लग सकता है। हालांकि, अमेरिका में इमिग्रेशन नीति को लेकर रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक पार्टियों के बीच

अमेरिकी यूनिकॉर्न में भारतीय उद्यमियों का जलवा, 96 स्टार्टअप के साथ भारत ने चीन को पछाड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका की अरबों डालर मूल्य वाली स्टार्टअप कंपनियों में भारतीय मूल के उद्यमियों का प्रभाव लगातार बढ़ रहा है। अमेरिकी थिंक टैंक नेशनल फाउंडेशन फार अमेरिकन पालिसी (एनएफएपी) के एक नए अध्ययन में दावा किया गया है कि अमेरिका की 96 यूनिकार्न कंपनियों की स्थापना या सह-स्थापना में भारतीय मूल के अप्रवासियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इस मामले में भारतीयों ने चीन सहित कई देशों के उद्यमियों को पीछे छोड़ दिया है।

अध्ययन के अनुसार, भारतीय मूल के उद्यमियों द्वारा स्थापित या सह-स्थापित प्रमुख कंपनियों में पर्प्लेक्सिटी एआइ भी शामिल है। करीब 20 अरब डालर मूल्यांकन वाली इस कंपनी की स्थापना अरविंद श्रीनिवास ने की थी और यह दुनिया की सबसे मूल्यवान निजी एआइ कंपनियों में गिनी जाती है।

एनएफएपी की रिपोर्ट इमिग्रेंट्स एंड बिलियन-डालर कंपनीज के मुताबिक, अमेरिका की 775 निजी स्वामित्व वाली यूनिकार्न कंपनियों में से 455 यानी लगभग 59 प्रतिशत की स्थापना या सह-स्थापना अप्रवासियों ने की है।

रिपोर्ट में भारत के बाद इजरायल (60), ब्रिटेन (47), चीन (41), कनाडा (30), रूस (23), फ्रांस (21), जर्मनी (18), यूक्रेन (16), आस्ट्रेलिया (14), पाकिस्तान (10) और रोमानिया (10) का स्थान है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि एलन मस्क समेत कम से कम 15 अप्रवासियों ने दो या उससे अधिक यूनिकार्न कंपनियां खड़ी की हैं। इस विशेष सूची में भारतीय मूल के छह उद्यमियों – मोहित अरोन, ज्योति बंसल, आशुतोष गर्ग, अरविंद जैन, सचिन नैयर और अजीत सिंह – को भी स्थान मिला है।

अध्ययन के अनुसार, अप्रवासी संस्थापकों वाली अमेरिकी यूनिकार्न कंपनियों ने औसतन 833 नौकरियां प्रति कंपनी सृजित की हैं। रिपोर्ट बताती है कि लगभग 66 प्रतिशत यूनिकार्न कंपनियों की स्थापना या सह-स्थापना अप्रवासियों अथवा उनके बच्चों ने की है।

इसके अलावा करीब 80 प्रतिशत अमेरिकी यूनिकार्न कंपनियों में या तो कोई अप्रवासी संस्थापक है या फिर सीईओ, मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी अथवा इंजीनियरिंग प्रमुख जैसे महत्वपूर्ण नेतृत्व पदों पर अप्रवासी कार्यरत हैं।

कभी Tata Docomo सिम का चलता था भारत में सिक्का, फिर कैसे हर घर से गायब हुआ रतन टाटा का युगांतरकारी ब्रांड

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर आप अपने मोबाइल फोन पर 1 मिनट से 3 सेकंड भी ज्यादा बात करते थे, तो आपको पूरे 2 मिनट का चार्ज देना पड़ता था। बचे हुए 57 सेकंड का भी भुगतान करना पड़ता था। टेलिकॉम कंपनियों की यह प्रति मिनट बिलिंग सिस्टम आम भारतीय ग्राहकों के लिए परेशानी का सबब थी। इससे बचने के लिए फोन पर टाइमर लगाया जाता था। लेकिन फिर, टाटा समूह के दिग्गज चेयरमैन रतन टाटा के नेतृत्व में एक ऐसी कंपनी आई जिसने इस शोषणकारी व्यवस्था को जड़ से उखाड़ फेंका।

टाटा डोकोमो के जन्म की कहानी- जापान की एनटीटी डोकोमो ने दिसंबर 2008 में टाटा टेलीसर्विसेज में 26.5त्न हिस्सेदारी 12,740 करोड़ के निवेश के साथ हासिल की। कंपनी के लॉन्च के समय, इसने प्रति सेकंड बिलिंग का क्रांतिकारी मॉडल पेश किया। रतन टाटा ने इसे भारतीय उपभोक्ताओं के लिए एक पैराडाइम शिफ्ट (युगांतरकारी बदलाव) कहा था। अब ग्राहकों को सिर्फ उतने ही समय का पैसा देना था, जितनी देर वे बात करते थे। मानो इस एक फैसले ने पूरी टेलीकॉम इंडस्ट्री हलचल मच गई।

2010 आते-आते टाटा डोकोमो भारत में 3G सेवाएं शुरू करने वाली पहली प्राइवेट टेलीकॉम कंपनी बन गई। टाटा टेलीसर्विसेज ने 10 सर्किलों में 3त्न स्पेक्ट्रम के लिए 5,864 करोड़ चुकाए थे। नेटवर्क इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए कंपनी ने करीब 500 मिलियन डॉलर (लगभग 2,250 करोड़) का निवेश किया, जिससे 21.1 Mbps तक की इंटरनेट स्पीड मिलना संभव हो पाया। कंपनी ने ग्राहकों के बीच जबरदस्त लोकप्रियता हासिल की और मार्च 2017 तक टाटा डोकोमो के पास लगभग 4.9 करोड़ (49 मिलियन) सब्सक्राइबर्स जुड़ चुके थे।

कंपनी का पतन अचानक नहीं हुआ, बल्कि आंतरिक समस्याओं और कड़ी प्रतिस्पर्धा के कारण हुआ। कड़ी प्रतिस्पर्धा, 2% स्पेक्ट्रम से संबंधित नियामक बाधाएं और आक्रामक प्रदर्शन लक्ष्यों को पूरा करने में असमर्थता के चलते एनटीटी डोकोमो ने 2014 और 2017 के बीच कंपनी छोड़ दी।

इस प्रक्रिया में कानूनी विवाद और मध्यस्थता शामिल थी, जिसके परिणामस्वरूप टाटा को जापानी कंपनी को लगभग 1.27 बिलियन डॉलर का भुगतान करना पड़ा। इस भारी जुर्माने ने कंपनी की निवेश और विस्तार क्षमताओं को बुरी तरह प्रभावित किया।

टाटा डोकोमो 4त्न नेटवर्क पर स्विच करने में अन्य कंपनियों से पीछे रह गई, जबकि इसके प्रतिस्पर्धियों (जैसे एयरटेल और वोडाफोन) ने अपने नेटवर्क का विस्तार किया था और उनकी कवरेज काफी मजबूत थी।

सितंबर 2016 में मुकेश अंबानी की रिलायंस जियो ने व्यावसायिक रूप से बाजार में प्रवेश किया। फ्री कॉल और शुरुआत में पूरी तरह से मुफ्त 4त्न हाई-स्पीड डेटा ने पूरे दूरसंचार उद्योग में हलचल मचा दी। इस आक्रामक मूल्य प्रतिस्पर्धा के कारण उद्योग का प्रति उपयोगकर्ता औसत राजस्व थोड़े ही समय में 50-70त्न तक गिर गया।

टाटा डोकोमो, जो पहले से ही ह्ज्ञ्ज के एग्जिट, कर्ज और कमजोर नेटवर्क कवरेज से जूझ रही थी, इस सुनामी का सामना नहीं कर सकी। रिलायंस जियो की एंट्री ने टाटा के पतन की गति को नाटकीय रूप से तेज कर दिया, जिससे उन्हें लाखों ग्राहकों और भारी राजस्व का नुकसान हुआ।

अंत में टाटा डोकोमो का क्या हुआ- भारी कर्ज और घाटे के कारण टाटा समूह को उपभोक्ता मोबाइल सेवाओं से पूरी तरह बाहर निकलना पड़ा। यह उस समय हुआ जब पूरा दूरसंचार क्षेत्र विलय की लहर से गुजर रहा था और एयरसेल जैसी कंपनियां बंद हो रही थीं।

अक्टूबर 2017 में, भारती एयरटेल ने टाटा टेलीसर्विसेज और टाटा डोकोमो के अधिग्रहण की घोषणा की। टाटा ने अपना उपभोक्ता मोबाइल कारोबार बिना किसी ऋण और बिना किसी लागत के एयरटेल को हस्तांतरित कर दिया। 1 जुलाई 2019 को, टाटा डोकोमो का एयरटेल में पूर्णतः विलय हो गया और उसके सभी ग्राहकों को एयरटेल के नेटवर्क पर स्थानांतरित कर दिया गया। इसके साथ ही, भारतीय दूरसंचार बाजार से टाटा डोकोमो ब्रांड का नाम हमेशा के लिए इतिहास बन गया। हालांकि एनटीटी डोकोमो अभी भी जापान की सबसे बड़ी वायरलेस कैरियर और मोबाइल नेटवर्क ऑपरेटर है।

यस बैंक को जीएसटी विभाग से बड़ा झटका, 63 करोड़ से ज्यादा का टैक्स डिमांड नोटिस जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। निजी क्षेत्र के दिग्गज ऋणदाता यस बैंक के लिए टैक्स के मोर्चे पर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। महाराष्ट्र जीएसटी विभाग ने बैंक को 63 करोड़ से अधिक का डिमांड नोटिस थमाया है। बैंक ने इस संबंध में शेयर बाजारों को आधिकारिक सूचना दी है।

इस खबर का असर सोमवार को बाजार खुलते ही यस बैंक के शेयरों पर दिख सकता है। शुक्रवार को यस बैंक के शेयर 2.37% की तेजी के साथ 23.31 रुपये के स्तर पर बंद हुए।

क्या है पूरा मामला- यस बैंक द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, बैंक को 5 जून, 2026 को महाराष्ट्र जीएसटी विभाग के कमिश्नर (अपील) से एक ऑर्डर-इन-अपील प्राप्त हुआ है। यह मामला जुलाई 2017 से जून 2018 की अवधि के लिए वस्तु एवं सेवा कर के भुगतान से संबंधित है।

यह आदेश केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम, 2017 की धारा 107(11) के तहत पारित किया गया है। बैंक ने स्पष्ट किया है कि यह कोई नई डिमांड नहीं है, बल्कि नवंबर 2024 में मिले पुराने नोटिस की ही पुष्टि है।

जीएसटी विभाग ने बैंक पर टैक्स के साथ-साथ उतनी ही राशि का जुर्माना भी लगाया है। कुल मांग 63.26 करोड़ से अधिक की है।

यस बैंक ने अपने बयान में कहा है कि उनके पास इस मामले में अपनी स्थिति को मजबूती से रखने के लिए पर्याप्त तथ्यात्मक और कानूनी आधार मौजूद हैं। बैंक ने निवेशकों को भरोसा दिलाया है कि इस आदेश से बैंक की वित्तीय या परिचालन गतिविधियों पर फिलहाल कोई बड़ा असर पड़ने की उम्मीद नहीं है।

बैंक ने यह भी साफ कर दिया है कि वह इस आदेश के खिलाफ निर्धारित समय सीमा के भीतर कानूनी उपाय करेगा और अपील दायर करेगा।

निवेशकों के लिए क्या है संकेत- चूंकि यह डिमांड साल 2024 में मिले पुराने ऑर्डर-इन-ओरिजिनल की ही पुष्टि है और इसमें कोई अतिरिक्त नई राशि नहीं जोड़ी गई है, इसलिए बाजार के जानकारों का मानना है कि बैंक ने इसके लिए पहले से ही तैयारी कर रखी होगी। हालांकि, ?63 करोड़ की बड़ी राशि और कानूनी प्रक्रिया का चलना निवेशकों की नजर में रहेगा।

3.83 फिटमेंट फैक्टर से चपरासी से लेकर IAS तक की कितनी बढ़ेगी सैलरी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर के लाखों केंद्रीय कर्मचारी और पेंशनरों की निगाहें 8वें वेतन आयोग पर टिकी है। वेतन आयोग तेजी के साथ काम कर रहा है। 8वां केंद्रीय वेतन आयोग कई शहरों में बैठक आयोजित कर चुका है। अभी कई शहरों में बैठकें शेड्यूल भी हैं। इन बैठकों में अलग-अलग केंद्रीय कर्मचारी संगठन अपने-अपने सुझाव दे रहे हैं।

8वें वेतन के लिए, कर्मचारी संगठनों ने बढ़ती महंगाई और हाल के आर्थिक घटनाक्रमों को देखते हुए 3.0 से 3.83 के फिटमेंट फैक्टर की सिफारिश की है। आयोग के सामने अधिकतर सुझावों में 3.0 से 3.83 की मांग की गई है। अगर आयोग 3.83 के फिटमेंट फैक्टर पर विचार करे तो कितनी सैलरी बढ़ेगी? आइए इसे कैलकुलेशन से समझे की कोशिश करते हैं।

कर्मचारी संगठनों के हालिया प्रस्तावों में 8वें वेतन आयोग से 3.83 के फिटमेंट फैक्टर की सिफारिश की गई है। इनमें नेशनल काउंसिल, जॉइंट कंसल्टेटिव मशीनरी और इंडियन रेलवेज टेक्निकल सुपरवाइजर्स एसोसिएशन शामिल हैं।

फूड कंपनियों की चालबाजी पर सरकार की लगाम, खाद्य तेल के लिए तय हुई 9 तरह की साइज

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने खाद्य तेल की मनमानी पैकिंग पर रोक लगाते हुए मानक आकार निर्धारित किए हैं। अब कंपनियों को 200 ग्राम से लेकर 20 किलोग्राम तक के तय पैकेट में ही खाद्य तेल बेचना होगा। इसमें 200gm, 500gm, 1Kg, 2Kg, 3Kg, 4Kg, 5Kg, 15Kg, 20 किलो के पैकिंग शामिल है।

अब कंपनियों को अपनी मनमर्जी से पैकेट का साइज घटाकर-बढ़ाकर बेचने की आजादी नहीं होगी। केंद्र सरकार के उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के उपभोक्ता मामले विभाग ने देश में खाद्य तेलों की बिक्री को लेकर एक बेहद महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक फैसला लिया है।

सरकार द्वारा जारी आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, अब कंपनियों को 200 ग्राम से लेकर 20 किलोग्राम तक के तय पैकेट में ही खाद्य तेल बेचना होगा।

क्या हैं नए नियम- सरकार द्वारा लीगल मेट्रोलॉजी फ्रेमवर्क के तहत स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर में किए गए संशोधन के मुताबिक, यह नियम पाम ऑयल, सोयाबीन तेल, सूरजमुखी तेल, सरसों का तेल, मूंगफली का तेल, तिल का तेल, राइस ब्रान ऑयल, कॉटनसीड ऑयल, कॉर्न ऑयल और उनके मिश्रण पर लागू होगा। अधिसूचना के अनुसार, 200 ग्राम या 200 मिलीलीटर से कम के पैकेटों पर कोई प्रतिबंध नहीं रहेगा। इसके अलावा, यदि तेल की मात्रा वॉल्यूम (मिलीलीटर या लीटर) में घोषित की गई है, तो कंपनियों को पैकेट पर उसके बराबर का वजन (ग्राम या किलोग्राम) भी समान आकार के अक्षरों/अंकों में अनिवार्य रूप से लिखना होगा।

कंपनियों, पैकर्स को 3 महीने का मिला समय- कंपनियों, पैकर्स और आयातकों को इन नियमों का पालन करने के लिए 3 महीने का ट्रांजिशन पीरियड दिया गया है।

क्यों पड़ी इस नियम की जरूरत- पिछले कुछ समय से बाजार में कंपनियों ने एक अनोखा ट्रेंड अपना लिया था। पैकेट की कीमतें सीधे तौर पर बढ़ाने के बजाय, कंपनियों ने चालाकी से पैकेट का साइज घटाना शुरू कर दिया था। बाजार में 1 किलोग्राम या 1 लीटर के बजाय 850 ग्राम, 900 ग्राम या 910 ग्राम जैसे अजीबोगरीब आकारों वाले पैकेट्स की बाढ़ आ गई थी।

आम उपभोक्ता अक्सर पैकेट को 1 किलो या 1 लीटर समझकर खरीद लेता था, जिससे उसकी जेब पर सीधा असर पड़ रहा था। अलग-अलग कंपनियों के अजीब पैकेट साइज के कारण उपभोक्ताओं के लिए कीमतों की सही तुलना करना नामुमकिन हो गया था। सरकार के इस कदम से बाजार में पारदर्शिता आएगी और इस तरह की प्रेडेटरी पैकेजिंग पर पूरी तरह लगाम लगेगी।

उद्योग जगत IVPA ने किया फैसले का जोरदार स्वागत- इंडियन वेजिटेबल ऑयल प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन और अन्य उद्योग संघों ने सरकार के इस कदम की सराहना की है।

हम इस लंबे समय से लंबित मुद्दे को सुलझाने के लिए सरकार के सहयोगात्मक दृष्टिकोण का धन्यवाद करते हैं। हालांकि पहले गैर-मानकीकरण उद्योग को स्वतंत्रता देने के लिए किया गया था, लेकिन पिछले तीन वर्षों में इस प्रथा ने बाजार को पूरी तरह से बिगाड़ दिया था। रीटेल शेल्फ पर तरह-तरह के पैकेट आने से उपभोक्ताओं के बीच भारी भ्रम फैल रहा था।

सिंहस्थ 2028 : उज्जैन में सेवा, आस्था और नर्सिंग क्षेत्र के लिए सुनहरा अवसर

दैनिक दिव्य संवाद/ उज्जैन। सिंहस्थ 2028 – उज्जैन में सेवा, आस्था और नर्सिंग क्षेत्र के लिए सुनहरा अवसर लेखक – अखिलेश कुमार श्रीवास्तव भूतपूर्व सदस्य, भारतीय खाद्य निगम, भोपाल (म.प्र.) भारत की सनातन संस्कृति में कुंभ और सिंहस्थ का विशेष महत्व है।

बारह वर्षों में एक बार आयोजित होने वाला सिंहस्थ महापर्व मध्य प्रदेश के पवित्र नगर Ujjain में आयोजित होता है। यह केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिकता, सामाजिक समरसता और सेवा भावना का विराट उत्सव है। वर्ष 2028 में आयोजित होने वाला सिंहस्थ कई दृष्टियों से ऐतिहासिक और यादगार सिद्ध होने जा रहा है। उज्जैन भगवान Mahakaleshwar Jyotirlinga की नगरी है और भारत के सात प्राचीन मोक्षदायिनी नगरों में इसका विशेष स्थान है। देश-विदेश से करोड़ों श्रद्धालु सिंहस्थ में स्नान, दर्शन और आध्यात्मिक लाभ प्राप्त करने के लिए आते हैं। अनुमान है कि वर्ष 2028 के सिंहस्थ में श्रद्धालुओं की संख्या पिछले सभी रिकॉर्डों को पार कर सकती है। वर्ष 2028 का सिंहस्थ इसलिए भी विशेष होगा क्योंकि यह मध्य प्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री Mohan Yadav के कार्यकाल में आयोजित होगा। उनके नेतृत्व में उज्जैन एवं प्रदेश के विकास को नई गति मिली है। महाकाल क्षेत्र के व्यापक विकास, महाकाल लोक कॉरिडोर के विस्तार, सड़कों के आधुनिकीकरण, यातायात व्यवस्था में सुधार तथा श्रद्धालुओं की सुविधाओं को ध्यान में रखकर अनेक महत्वपूर्ण परियोजनाएँ संचालित की गई हैं। उज्जैन में रिंग रोड, नवीन आवासीय सुविधाएँ, धर्मशालाएँ, होटल, पार्किंग क्षेत्र तथा शिप्रा नदी के घाटों का विकास आने वाले सिंहस्थ को और अधिक व्यवस्थित एवं भव्य बनाएगा। सिंहस्थ 2028 केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि रोजगार और स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में भी नए अवसर लेकर आएगा। करोड़ों श्रद्धालुओं की स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बड़ी संख्या में डॉक्टरों, पैरामेडिकल स्टाफ और प्रशिक्षित नर्सिंग कर्मियों की आवश्यकता होगी। विभिन्न स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि इस प्रकार के विशाल आयोजन में 50,000 से 75,000 तक प्रशिक्षित नर्सिंग कर्मियों की आवश्यकता पड़ सकती है। प्राथमिक चिकित्सा, आपातकालीन सेवाएँ, वृद्धजनों की देखभाल, महिला एवं बाल स्वास्थ्य सेवाएँ, संक्रमण नियंत्रण तथा स्वास्थ्य परामर्श जैसे क्षेत्रों में नर्सों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। आज नर्सिंग केवल एक रोजगार नहीं बल्कि मानव सेवा का उत्कृष्ट माध्यम है। नर्स रोगी और चिकित्सक के बीच सबसे महत्वपूर्ण कड़ी होती है। किसी भी स्वास्थ्य व्यवस्था की सफलता प्रशिक्षित नर्सिंग स्टाफ पर निर्भर करती है। यही कारण है कि देश और विदेश में नर्सिंग पेशेवरों की मांग लगातार बढ़ रही है। नर्सिंग क्षेत्र में प्रवेश के लिए विद्यार्थियों को 12वीं कक्षा जीवविज्ञान (बायोलॉजी) विषय के साथ उत्तीर्ण होना लाभकारी माना जाता है। इसके पश्चात विद्यार्थी एएनएम (ANM), जीएनएम (GNM) तथा बी.एससी. नर्सिंग जैसे पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेकर प्रशिक्षित नर्स बन सकते हैं। प्रशिक्षण पूर्ण करने के बाद निजी अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, बहु-विशेषज्ञता अस्पतालों तथा सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में रोजगार के व्यापक अवसर उपलब्ध हैं। विशेष रूप से प्रशिक्षित नर्सें सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं में कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर के रूप में भी कार्य कर सकती हैं।

ग्रामीण एवं शहरी स्वास्थ्य सेवाओं में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वर्तमान समय में प्रशिक्षित नर्सों को प्रारंभिक स्तर पर भी लगभग 20,000 रुपये या उससे अधिक मासिक वेतन प्राप्त हो सकता है, जबकि अनुभव और विशेषज्ञता के साथ आय में निरंतर वृद्धि होती है। विदेशों में भी भारतीय नर्सों की अत्यधिक मांग है। उज्जैन में संचालित नर्सिंग एवं स्वास्थ्य शिक्षा संस्थानों के लिए भी सिंहस्थ 2028 एक महत्वपूर्ण अवसर सिद्ध होगा।

यदि अभी से युवाओं को नर्सिंग शिक्षा के प्रति जागरूक किया जाए, तो आने वाले वर्षों में हजारों प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी तैयार किए जा सकते हैं, जो न केवल सिंहस्थ में सेवा देंगे बल्कि प्रदेश और देश की स्वास्थ्य व्यवस्था को भी मजबूत करेंगे। सिंहस्थ हमें यह संदेश देता है कि आस्था और सेवा एक-दूसरे के पूरक हैं। जहाँ करोड़ों श्रद्धालु आध्यात्मिक ऊर्जा प्राप्त करने आते हैं, वहीं डॉक्टर, नर्स, स्वयंसेवक और सामाजिक कार्यकर्ता मानवता की सेवा का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। वर्ष 2028 का सिंहस्थ उज्जैन की सांस्कृतिक विरासत, मध्य प्रदेश के विकास और स्वास्थ्य सेवाओं की नई संभावनाओं का प्रतीक बनेगा।

आइए, हम सभी युवाओं को नर्सिंग शिक्षा की ओर प्रेरित करें, ताकि वे अपने उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करने के साथ-साथ समाज और राष्ट्र की सेवा में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकें।

सिंहस्थ 2028 केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सेवा, रोजगार, स्वास्थ्य और विकास का एक विराट अवसर है, जिसका लाभ पूरे मध्य प्रदेश और देश को प्राप्त होगा।

-अखिलेश कुमार श्रीवास्तव भूतपूर्व सदस्य, भारतीय खाद्य निगम, भोपाल (मध्य प्रदेश)

गौरवमयी उपलब्धि- वृन्दावन ओपन नेशनल में वाराणसी की आश्री मिश्रा ने जीता स्वर्ण पदक, परिसर गूंजा 'हर-हर महादेव

दैनिक दिव्य संवाद/ वाराणसी। वृन्दावन तीसरी स्वामी विवेकानंद ओपन नेशनल ताइक्वांडो चैंपियनशिप में वाराणसी की बेटी आश्री मिश्रा ने स्वर्ण पदक जीतकर न सिर्फ अपने शहर बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश को गौरवान्वित किया है। आश्री की इस ऐतिहासिक जीत पर परिजनों और खेल प्रेमियों में खुशी की लहर है। राष्ट्रीय चैंपियनशिप वृन्दावन में आयोजित की गई, जिसमें देश के कोने-कोने से सैकड़ों टीमों ने भाग लिया। लगभग उत्तर प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, दिल्ली, पंजाब समेत कई राज्यों के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने अपने दमदार प्रदर्शन से अपने राज्य का मान बढ़ाया। UMAI टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए वाराणसी की आश्री मिश्रा ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। पहले ही राउंड में उन्होंने गुजरात की मजबूत खिलाड़ी को पटखनी देकर मुकाबले में बढ़त बनाई। इसके बाद फाइनल में सहारनपुर की खिलाड़ी को हराते ही पूरा स्टेडियम 'हर-हर महादेव' के जयकारों से गूंज उठा। Umai टीम से क्योरके मे धरा गुप्ता ने भी स्वर्ण पदक पाया अन्य अन्य बच्चें भी मेहनत कर अन्य पदक हासिल किया दर्शकों ने खड़े होकर आश्री के जज्बे और तकनीक की सराहना की। अपनी जीत को आश्री ने अपने कोच विकास सर और शुभचिंतकों को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि यह सफलता आप सभी के आशीर्वाद और मेरे कोच के अटूट विश्वास का परिणाम है। आश्री की इस उपलब्धि से वाराणसी में खेल जगत से जुड़े लोगों में उत्साह है। यह जीत आने वाले खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनेगी।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नाहरगढ़ पर 100 दिवसीय निश्चय शिविर एवं मलेरिया कार्यशाला का आयोजन

मंदसौर। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नाहरगढ़ में 100 दिवसीय निश्चय अभियान के अंतर्गत दो दिवसीय निश्चय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्र के नागरिकों को निशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गई शिविर के दौरान एक्स-रे सीबी-नैट/टीबी जांच शुगर एवं ब्लड प्रेशर परीक्षण की निःशुल्क व्यवस्था की। शिविर में कुल 132 हितग्राहियों की स्वास्थ्य जांच की गई तथा 12 संदिग्ध टीबी मरीज चिन्हित किए गए जिनका आगे स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार की प्रक्रिया प्रारंभ की गई पेंशनर संघ नाहरगढ़ के अध्यक्ष रामकृष्ण वैष्णव के आग्रह पर 10 पेंशनरों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निःशुल्क एक्स-रे एवं दवाइयों का वितरण किया गया

कार्यक्रम में क्षेत्रीय सुपरवाइजर अकील मंसूरी संजय दुबे आशा सहयोगिनी यशोदा चौहान एवं नाहरगढ़ क्षेत्र की समस्त आशा कार्यकर्ताओं ने सराहनीय योगदान दिया कार्यक्रम में समाजसेवी उत्तम सिंह नरवरिया विशेष रूप से उपस्थित रहे। इसी अवसर पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नाहरगढ़ में मलेरिया कार्यशाला का भी आयोजन किया गया।

बताया गया कि 1 जून से 30 जून तक विशेष मलेरिया जागरूकता एवं नियंत्रण अभियान चलाया जाएगा अभियान के अंतर्गत मच्छरों से होने वाली बीमारियों की रोकथाम बचाव एवं उपचार संबंधी जानकारी आशा कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण के माध्यम से दी गई। कार्यशाला में क्षेत्रीय सुपरवाइजर अकील मंसूरी, संजय दुबे, समाजसेवी यू.एस. नरवरिया, सेक्टर की महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं क्षेत्र की सभी आशा कार्यकर्ता उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन को स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ना एवं मलेरिया जैसी बीमारियों के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।

मनासा में बड़ी कार्रवाई: भाजपा नेता की 8 दुकानें बुलडोजर से ध्वस्त, करोड़ों की शासकीय भूमि अतिक्रमण मुक्त

नीमच। नगर परिषद मनासा ने शनिवार को अतिक्रमण के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुराने सरकारी अस्पताल के पीछे स्थित शासकीय सर्वे नंबर की भूमि पर अवैध रूप से निर्मित आठ दुकानों पर प्रशासन ने बुलडोजर चलाकर उन्हें पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। इस कार्रवाई से क्षेत्र के अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मच गया है।

दोपहर 3 बजे भारी पुलिस बल के साथ पहुंचा अमला- शनिवार दोपहर करीब तीन बजे तहसीलदार मुकेश निगम, मुख्य नगरपालिका अधिकारी संजय पाटीदार, उपयंत्री रविश कादरी, नगर परिषद का दस्ता और भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा। इसके बाद दल-बल के साथ अवैध निर्माण को ढहाने की कार्रवाई शुरू की गई। कार्रवाई के दौरान मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई थी।

यह पूरी कार्रवाई कुकड़ेश्वर के भाजपा नेता और नगर परिषद कुकड़ेश्वर के उपाध्यक्ष प्रतिनिधि उज्जवल पटवा से जुड़े निर्माण पर की गई है। मुक्त कराई गई लगभग 4800 वर्ग फीट भूमि की सरकारी गाइडलाइन के अनुसार कीमत करोड़ों रुपये में आंकी जा रही है, ध्वस्त की गई दुकानों के निर्माण में लगभग 60 से 70 लाख रुपये की लागत आई थी।

क्या था मामला और कैसे हुई कार्रवाई- इस अवैध निर्माण का मामला स्थानीय पत्रकार रवि उपाध्याय द्वारा उठाया गया था, जिसके बाद नगर परिषद को लिखित शिकायतें प्राप्त हुई थीं।

10 मई 2023– नगर परिषद मनासा ने उज्ज्वल पटवा को नोटिस देकर सीमांकन होने तक निर्माण कार्य रोकने का आदेश दिया था।

18 मई 2023– पटवारी, राजस्व निरीक्षक (ऋढ्ढ.) कुलदीप डामोर, उपयंत्री रविश कादरी और परिषद के कर्मचारियों की उपस्थिति में निर्माण स्थल का सीमांकन किया गया। सीमांकन में पाया गया कि निर्माण स्वीकृत जगह से अधिक और सरकारी जमीन पर था। इसके बाद आर.आई. कुलदीप डामोर ने पंचनामा बनाकर परिषद को सौंपा।

परिषद का दावा– परिषद के अनुसार निर्माणकर्ता को केवल एक दुकान की अनुमति दी गई थी, लेकिन मौके पर आठ दुकानों का अवैध निर्माण कर लिया गया। इसके बाद परिषद ने निर्माण अनुमति और नामांतरण को निरस्त कर दिया था। यह मामला पहले एडीएम कोर्ट पहुंचा था, जहां परिषद के प्रस्ताव को निरस्त कर दिया गया था। इसके बाद नगर परिषद ने हाईकोर्ट का रुख किया।

मनासा ष्टरूह्र संजय पाटीदार ने कार्रवाई की पुष्टि करते हुए बताया कि- उज्जवल पटवा द्वारा बनाई गई दुकानों को हटाया गया है क्योंकि यह निर्माण बिना वैधानिक अनुमति और नामांतरण के किया गया था। इसके साथ ही उनके पास टीएनसी का कोई अप्रूवल भी नहीं था। नगर पालिका परिषद ने पूर्व में ही इसके विरुद्ध प्रस्ताव पारित किया था। माननीय हाईकोर्ट ने नगर पालिका के प्रस्ताव को सही माना है और इसी आदेश के परिपालन में प्रशासन ने यह अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की है।

बारिश, पीछा और खेतों में दौड़... नीमच में 331 किलो से ज्यादा डोडाचूरा जब्त, दो तस्कर गिरफ्तार

नीमच। नीमच जिले में केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो ने मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ दो बड़ी कार्रवाइयों को अंजाम देते हुए 331.510 किलोग्राम डोडाचूरा जब्त किया है। अलग-अलग मामलों में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश जारी है।

पहली कार्रवाई में सीबीएन नीमच को सूचना मिली थी कि एक सिल्वर रंग की आई-20 कार में डोडाचूरा की बड़ी खेप ले जाई जा रही है। सूचना मिलते ही ग्राम जालीनेर क्षेत्र में घेराबंदी की गई। जैसे ही संदिग्ध वाहन को रोकने का प्रयास किया गया, चालक ने सीबीएन टीम के वाहन को टक्कर मारते हुए भागने की कोशिश की। तेज बारिश और अंधेरे के बीच शुरू हुआ पीछा कई किलोमीटर तक चला। भागने के प्रयास में कार नहर में जा फंसी, जिसके बाद तस्कर खेतों की ओर भाग निकला। सीबीएन अधिकारियों ने कीचड़ और बारिश के बीच पीछा कर उसे दबोच लिया। कार की तलाशी लेने पर 11 प्लास्टिक बैगों से 186.680 किलोग्राम डोडाचूरा बरामद हुआ। आरोपी को गिरफ्तार कर वाहन और मादक पदार्थ जब्त कर लिया गया।

वहीं दूसरी कार्रवाई में सीबीएन की पी एंड आई सेल मंदसौर ने साम्या बालाजी मंदिर चौराहे के पास नलवा-कुंडला रोड पर एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को रोका। तलाशी के दौरान ट्रॉली में छिपाकर रखे गए 8 कट्टों से 144.830 किलोग्राम डोडाचूरा बरामद किया गया। इस मामले में भी एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है तथा ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त कर ली गई है।

दोनों मामलों में कुल 331.510 किलोग्राम डोडाचूरा जब्त किया गया है। सीबीएन अधिकारियों का मानना है कि इसके पीछे सक्रिय तस्करी नेटवर्क काम कर रहा है। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के आधार पर आपूर्ति श्रृंखला और अन्य तस्करों की पहचान की जा रही है। लगातार हो रही कार्रवाइयों से जिले में सक्रिय मादक पदार्थ तस्करों में हड़कंप मचा हुआ है। सीबीएन ने स्पष्ट किया है कि नशे के अवैध कारोबार में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और अभियान आगे भी जारी रहेगा।

अमलतास अस्पताल द्वारा सिंहस्थ 2028 में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए देवास पुलिस को दिया जा रहा जीवन रक्षक 'CPR' प्रशिक्षण

देवास। आगामी सिंहस्थ महापर्व 2028 के दौरान देश-विदेश से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए शासन और पुलिस प्रशासन ने अभी से कमर कस ली है। इसी कड़ी में, सिंहस्थ की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से पुलिस प्रशासन के सहयोग से अमलतास सुपर स्पेशलिटी अस्पताल द्वारा देवास पुलिस लाइन में एक विशेष जीवन रक्षक सीपीआर (ष्टक्क्र- कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

सिंहस्थ 2028 के सफल और सुरक्षित आयोजन को ध्यान में रखते हुए अब प्रत्येक शनिवार को इस विशेष प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस अभियान के तहत जिले के शत-प्रतिशत पुलिस बल और होमगार्ड बल को आकस्मिक चिकित्सकीय व्यवस्थाओं से संबंधित बारीकियों का कड़ा प्रशिक्षण दिया जाना तय किया गया है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान अमलतास अस्पताल के आपातकालीन विभाग के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा पुलिस अधिकारियों को सीपीआर देने की सही तकनीक सिखाई जा रही है। जिसमे पुलिसकर्मियों को डमी (पुतलों) के माध्यम से चेस्ट कंप्रेशन और कृत्रिम सांस देने का व्यावहारिक अभ्यास भी कराया जा रहा है। एवं कि अचानक हृदय गति रुकने (हार्ट अटैक/कार्डिएक अरेस्ट) या सांस लेने में तकलीफ होने जैसी गंभीर आपातकालीन स्थितियों में बिना समय गंवाए तुरंत कैसे प्रतिक्रिया देनी है।

प्रशिक्षण में पुलिस अधीक्षक देवास श्री पुनीत गेहलोद जी, एडिशन एस.पी जयवीर सिंह भदौरिया जी, सीएसपी श्री सुमित अग्रवाल जी, आर.आई श्री रणजीत ठाकुर जी उपस्थित थे।

अमलतास अस्पताल के चेयरमैन श्री मयंक राज सिंह भदौरिया जी द्वारा बताया गया की सिंहस्थ महापर्व के दौरान भारी भीड़ के कारण कई बार एंबुलेंस या विशेषज्ञ डॉक्टरों को मौके पर पहुँचने में समय लग सकता है। ऐसी स्वर्णिम घड़ियों में घटनास्थल पर मौजूद प्रशिक्षित पुलिस और होमगार्ड के जवान सीपीआर के माध्यम से मरीज को नया जीवन दे सकते हैं। यही इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य है।

पोषण भी, पढ़ाई भी अभियान तहत नवीन आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण संपन्न

नीमच। जिले में 21 नवीन नियुक्त आंगनवाडी कार्यकर्ता को पोषण भी पढ़ाई अभियान के तहत प्रथम चरण का प्रशिक्षण आयोजित किया गया है। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आंगनवाड़ी केंद्रों को सक्षम बनाने और प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से पोषण भी, पढ़ाई भी कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस विशेष अभियान के तहत नवनियुक्त आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए आयोजित तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर शुक्रवार को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

पोषण भी पढ़ाई भी अभियान केवल एक नारा नहीं, बल्कि बच्चों के समग्र विकास का एक मजबूत आधार है। इस प्रशिक्षण से कार्यकर्ता जमीन स्तर पर बाल विकास सेवाओं को अधिक प्रभावी बना सकेंगी। शिविर के अंत में सभी प्रशिक्षित नवीन आंगनवाडी कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने क्षेत्रों में पूरी निष्ठा से कार्य करने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी सुश्री अंकिता पंड्या, मास्टर ट्रेनर्स श्रीमती एकता प्रेमी, श्रीमती उमा शर्मा एवं श्रीमती इन्दु सोनी उपस्थित थी।

खेत बचाओ अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

देवास। आईटीसी मिशन सुनहरा कल परियोजना के अंतर्गत बाइफ, देवास द्वारा ग्राम जिरवाय में विश्व पर्यावरण दिवस एवं खेत बचाओ अभियान के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कृषि, पर्यावरण संरक्षण एवं प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर किसानों को जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र, देवास के प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. आर.पी. शर्मा, जनपद पंचायत टोंकखुर्द के अध्यक्ष पोप सिंह ठाकुर, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी भरत सोलंकी, भौरासा एग्रीकल्चर एफपीओ के विशाल लोधी, एनसीएचएसई के राहुल पटेल, पंचायत प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में कृषक उपस्थित रहे। बाइफ की ओर से अर्जुन सिंह वेदी, सतीश खजूरिया, जितेंद्र सिंह, मुकेश बड़कनिया एवं सुनील चौहान ने सहभागिता की। अपने संबोधन में डॉ. आर.पी. शर्मा ने विश्व पर्यावरण दिवस के महत्व और खेत बचाओ अभियान के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की आवश्यकता बताई। उन्होंने मृदा परीक्षण, संतुलित उर्वरक उपयोग, सोयाबीन फसल में पोषक तत्व प्रबंधन, जैविक खादों के उपयोग, जलवायु अनुकूल कृषि तकनीकों तथा आगामी खरीफ सीजन की तैयारियों पर विस्तृत जानकारी दी। जनपद पंचायत अध्यक्ष ठाकुर ने आईटीसी मिशन सुनहरा कल परियोजना के प्रयासों की सराहना करते हुए पर्यावरण संरक्षण और कृषि पर जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभावों पर अपने विचार साझा किए।

इस अवसर पर बाइफ टीम द्वारा परियोजना के चार प्रमुख घटकों तथा क्षेत्र में संचालित विभिन्न विकासात्मक गतिविधियों की जानकारी भी दी। कार्यक्रम का संचालन बाइफ के कृषि विशेषज्ञ रामाश्रय साहू द्वारा किया गया। अंत में पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए शिव मंदिर परिसर के समीप पौधारोपण किया गया।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक अशोक त्रिपाठी मो: 9425379389 द्वारा एमआईजी ए-17/1, वेद नगर, नानाखेडा, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित कर प्रियंका ऑफसेट, 2/10 पिपलीनाका, भैरुगढ रोड, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित, सम्पादक : अभय नरवरिया मो: 9584111186 (सभी वाद-विवादों का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)